TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | ताजनगरी में जुटे दुनिया के जाने माने वास्तु विशेषज्ञ.. (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 09.09.2026

यूपीः दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, विधानसभा चुनाव के पहले दौरा अहम

❍ एजेंसी, रायबरेली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे के लिए अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। वह अपने दौरे में जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक भाग लेकर जिले के विकास की नब्ज टटोलेंगे तो पार्टी पदाधिकारियों से मिलकर संगठन के कामकाज का सच जानेंगे।

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राहुल का रायबरेली का यह दौरा अहम माना जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार शाम को रायबरेली पहुंचे। रास्ते में महाराजगंज में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

हलोर व महराजगंज में वह सभा करेंगे। इसके बाद शहर के प्रभुटाउन पहुंचेंगे। रात में भुएमऊ गेस्ट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान 2025 में हुई दिशा की बैठक के दौरान जिन 83 विकास के मामलों में उन्होंने कार्रवाई की बात कही थी, उस पर प्रशासन ने क्या कार्रवाई की है। इसका फीडबैक लेंगे। साथ ही जनजीवन मिशन की खस्ताहाल दशा पर भी जानकारी लेंगे। बुधवार को राहुल गांधी दिशा की बैठक में हिस्सा लेंगे।

पोखरण में 14 सितंबर से ड्रोनाथॉन-2026

ड्रोन से ड्रोन रोधी सिस्टम तक, दिखेगी भारत की स्वदेशी तकनीक की ताकत

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

ड्रोन तकनीक युद्ध और निगरानी के क्षेत्र में तेजी से अहम होती जा रही है। इसी के मद्देनजर भारतीय वायुसेना देश में विकसित ड्रोन और ड्रोन रोधी तकनीकों की क्षमता परखने की तैयारी कर रही है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय वायुसेना 14 से 16 सितंबर 2026 तक जैसलमेर की पोखरण रेंज में 'ड्रोनाथॉन-2026' आयोजित करेगी। इसमें घरेलू रक्षा कंपनियां, स्टार्टअप और नवोन्मेषक अपनी तकनीक का प्रदर्शन करेंगे।

'ड्रोनाथॉन-2026' क्या है और इसका आयोजन क्यों किया जा रहा है?

यह भारतीय वायुसेना की ऐसी पहल है, जिसमें देश में विकसित मानवरहित हवाई प्रणाली और ड्रोन रोधी प्रणाली को एक ही मंच पर प्रदर्शित और परखा जाएगा। इसका प्रमुख उद्देश्य घरेलू निमार्ताओं को अपनी तकनीकी क्षमता दिखाने का अवसर देना है। साथ ही वायुसेना और उद्योग के बीच संवाद बढ़ाकर ऐसी तकनीकों की पहचान करना है, जो वास्तविक परिचालन जरूरतों के अनुरूप हों।

यह आयोजन कब और कहां होगा?

'ड्रोनाथॉन-2026' का आयोजन 14 से 16 सितंबर 2026 तक जैसलमेर की पोखरण रेंज में किया जाएगा। पोखरण का चयन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां वास्तविक परिस्थितियों के करीब तकनीकों का परीक्षण और प्रदर्शन किया जा सकता है। कार्यक्रम में केवल उपकरणों को प्रदर्शित नहीं किया जाएगा, बल्कि उनकी परिचालन क्षमता का लाइव प्रदर्शन भी होगा।

इस कार्यक्रम में किस तरह की तकनीक दिखाई जाएगी?

आयोजन में ड्रोन और उन्हें रोकने वाली प्रणालियों की नई क्षमताओं पर विशेष ध्यान रहेगा। कार्यक्रम के प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैंः

निगरानी और टोही से जुड़ी तकनीकें, जिनकी मदद से संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार नजर रखने और महत्वपूर्ण सूचनाएं जुटाने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है।

स्वायत्त संचालन और ड्रोन के झुंड से जुड़ी तकनीकें भी प्रदर्शित की जाएंगी। इनका उद्देश्य एक साथ कई मानवरहित प्रणालियों के संचालन और समन्वय जैसी क्षमताओं को परखना है।

इलेक्ट्रॉनिक युद्ध से जुड़ी प्रणालियां भी आयोजन का हिस्सा होंगी। इनमें ऐसे समाधान शामिल हो सकते हैं, जो बदलते युद्धक्षेत्र में ड्रोन से जुड़े खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ाएं।

कार्यक्रम में स्थिर प्रदर्शन के साथ लाइव प्रदर्शन भी होंगे। इसका मतलब है कि वायुसेना को तकनीकों की वास्तविक संचालन क्षमता को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलेगा।

इससे यह आकलन करने में मदद मिल सकती है कि अलग-अलग प्रणालियां मौजूदा परिचालन जरूरतों के मुताबिक कितनी उपयोगी हैं और उनकी युद्धक क्षमता किस स्तर की है।

भारतीय वायुसेना के लिए ड्रोन रोधी तकनीक क्यों महत्वपूर्ण है?

आधुनिक युद्ध में छोटे और अपेक्षाकृत कम लागत वाले ड्रोन भी निगरानी, लक्ष्य पहचान और हमले जैसे कामों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसलिए केवल बेहतर ड्रोन विकसित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि संभावित ड्रोन खतरों की पहचान और उन्हें निष्क्रिय करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना भी जरूरी है। 'ड्रोनाथॉन-2026' इसी व्यापक जरूरत के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

इस आयोजन से भारतीय रक्षा उद्योग को क्या फायदा होगा?

इस पहल से घरेलू कंपनियों और रक्षा क्षेत्र में काम कर रहे नए उद्यमों को सीधे अपनी तकनीक प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। वायुसेना को भी अलग-अलग निमार्ताओं के समाधान को एक साथ देखने और उनकी क्षमताओं का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इससे परिचालन जरूरतों और उद्योग द्वारा विकसित तकनीकों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की संभावना बढ़ेगी।

पीएम ने ग्लोबल फिटनेक फेस्ट का किया उद्घाटन

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ाः मोदी

❍ एजेंसी, मुंबई।

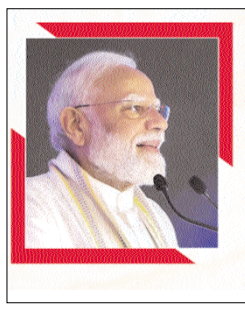

> दुनिया के हालात क्या हैं, आप सभी भलीभांति जानते हैं। दुनिया टकराव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। इसमें भी अप्रैल से जून की तिमाही सबसे चुनौतीपूर्ण रही है और इसमें भी जब भारत 7.8% से वृद्धि दर हासिल करता है, तो दुनिया को एक नया भरोसा मिलता है।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और फिनटेक सेक्टर की बढ़ती पहुंच का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 देशों तक इसका विस्तार हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में लगातार तीसरी बार शामिल होने की खुशी है। उन्होंने इसे एक और ह्यहैट्रिकह्ल बताते हुए कहा कि 2024 में तीसरी बार सरकार बनने की हैट्रिक के बाद यह उनके लिए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार आने की हैट्रिक है। उनके मुताबिक, यह इस बात को दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी अहम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बार फेस्ट में आने पर उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा युवा, ज्यादा ऊर्जा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने मुझे 10 साल में देखा है, वे जानते हैं मोदी एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वाला नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं दूसरे लक्ष्यों की तैयारी में जुट जाता हूं। अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सिंगापुर के साथ हम यह कर चुके हैं, इससे सिंगापुर और भारत के बीच पेमेंट ऐसे हो पा रहे हैं, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में होता है। जहां भी भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं और जहां भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करता है और जो देश हमारे साथ चलने के लिए तैयार है, हमें उन सब को जोड़ने पर काम करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि विदेश में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। दुनिया में भारतीय ही बड़ी संख्या में भारत पैसा भेजते हैं। उसका एक बड़ा हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई इसमें भी भारतीयों को लाभ दिला सकता है और पैसा तुरंत उनके परिवारों के पास पहुंच सकता है।

अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम से जुड़ना लक्ष्य

पीएम मोदी ने कहा कि यूपीआई की सफलता के बाद अब अगला लक्ष्य दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ने का होना चाहिए। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच हुए पेमेंट सिस्टम इंटीग्रेशन का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दोनों देशों के बीच भुगतान करना लगभग उसी तरह आसान हो गया है, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जहां भारत का बड़े स्तर पर कारोबार है और जो भारत के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, उनके साथ पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर काम किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने विदेशों में काम करने वाले भारतीयों के लिए भी इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले भारतीय अपने परिवारों को पैसा भेजते हैं, लेकिन रकम का एक हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई के विस्तार से इस लागत को कम करने और पैसे को तेजी से परिवारों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

फिनटेक का अगला चरण क्या होगा?

पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी की मदद से अलग-अलग तरह के कारोबार करने वाले लोगों की आर्थिक गतिविधियों को समझकर उनकी जरूरत के मुताबिक वित्तीय मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिनटेक का अगला अध्याय केवल पेमेंट तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने पेमेंट के क्षेत्र में बड़े पैमाने और तेज गति से विस्तार किया है। अब फिनटेक को नॉन-पेमेंट ट्रांजैक्शन का हिस्सा बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

पीएम मोदी ने डिलीवरी पार्टनर और छोटे स्तर पर काम करने वाले लोगों का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि ऐसे लोग नियमित रूप से कमाते हैं, लेकिन उन्हें बचत और पेंशन जैसे वित्तीय उत्पादों तक आसान पहुंच की जरूरत होती है। फिनटेक इन जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि सेविंग्स, पेंशन और दूसरी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच भी उतनी ही सरल और आसान होनी चाहिए, जितना आज दफ कोड के जरिए भुगतान करना है।

सत्य निकेतन हादसाः लेबर कॉन्ट्रैक्टर यूपी से गिरफ्तार, मालकिन और पति न्यायिक हिरासत में

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कासगंज से उस लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है जो सत्य निकेतन की उस दुर्भाग्यपूर्ण पीजी बिल्डिंग के बेसमेंट में मरम्मत का काम देख रहा था। साथ ही, बिल्डिंग के मालिक परिवार के तीन सदस्यों को अलग-अलग समय के लिए न्यायिक और पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को कासगंज से पकड़ा गया और पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सानोज से शुरूआती पूछताछ में पता चला कि जिस दिन बिल्डिंग गिरी, उस दिन बेसमेंट के फर्श की मरम्मत हो रही थी क्योंकि पिछले 8-10 दिनों से बारिश के मौसम में वहां कचरा जमा हो रहा था। साथ ही, कमर्शियल मकसद से जगह बढ़ाने के लिए बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर की भी मरम्मत की जा रही थी।

इस बीच, बिल्डिंग की मालकिन 75 वर्षीय उर्मिला और उनके 81 वर्षीय रिटायर्ड पति हरिराम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि उनके बेटे महेश को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान महेश ने बताया कि वह अपने माता-पिता की ओर से बिल्डिंग के रखरखाव का काम देखता था। उन्होंने अगस्त 2025 में यह बिल्डिंग पीजी ऑपरेटर 'हॉस्टल डेज' को लीज पर दी थी।

इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि नगर निकाय उस जर्जर इमारत को गिराएगा जो सत्य निकेतन में गिरी उस दुर्भाग्यपूर्ण पेइंग गेस्ट (पीजी) बिल्डिंग के बगल में है।

इस असुरक्षित इमारत को गिराने की योजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना स्थल के बगल में स्थित जर्जर इमारत को गिराने का आदेश दिया गया है।

सीएमओ ने आगे कहा कि इमारत के अंदर छात्रों का सामान दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारियों द्वारा व्यवस्थित तरीके से सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है। सभी छात्रों और स्थानीय निवासियों से अधिकारियों का सहयोग करने का अनुरोध किया जाता है। यह गिराने का आदेश धौला कुआं में दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास स्थित कॉलोनी में अवैध निर्माण की जांच के लिए जिम्मेदार पांच नगर निकाय अधिकारियों को सस्पेंड करने की सख्त कार्रवाई के बाद आया है।

पुलिस ने बताया कि 'हॉस्टल डेज' नाम की पांच मंजिला इमारत लड़कों के पीजी के तौर पर चल रही थी और रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे जब यह घटना हुई, तब वहां कई छात्र रह रहे थे। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई थी।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण

मस्जिद कमेटी प्रबंधन की ओर से हाईकोर्ट में दाखिल की गई रिट, सरकार को बनाया विपक्षी

❍ एजेंसी, सहारनपुर।

कलक्ट्रेट मस्जिद ध्वस्तीकरण का मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। मंगलवार को मस्जिद कमेटी प्रबंधन की तरफ से हाईकोर्ट में रिट दाखिल की गई है। मस्जिद कमेटी प्रबंधन के अधिवक्ता बाबर वसीम ने बताया कि शनिवार को प्रशासन द्वारा कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को बिना किसी नोटिस और आदेश के ध्वस्त कर दिया गया था। इसके बाद मस्जिद प्रबंधन कमेटी द्वारा अधिवक्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया गया। अधिवक्ताओं से सलाह करने के बाद मस्जिद के मुतव्वली तनवीर अहमद की ओर से हाईकोर्ट में मंगलवार दोपहर रिट दाखिल की गई है।

उन्होंने बताया रिट के साथ ही अन्य दस्तावेज भी लगाए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही मामले पर हाईकोर्ट सुनवाई करेगा। मस्जिद प्रबंधन कमेटी की ओर से मामले में सरकार को विपक्षी बनाया गया है। बता दें, कि कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने 16 जुलाई 2026 को अवैध करार दिया था। इसके साथ ही मस्जिद प्रबंधन पर 6.41 करोड़ रुपये का अर्थदंड भी लगाया था। इसके बाद मस्जिद कमेटी पक्ष की ओर से जिला जज की अदालत में अपील की गई। अपील पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दो सितंबर को सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा था। प्रशासन द्वारा पांच सितंबर को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई गई थी। इसी कार्रवाई के खिलाफ मस्जिद कमेटी प्रबंधन ने हाईकोर्ट जाने की बात कही थी। इस मामले पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदस्य भी सोमवार को मस्जिद कमेटी के सदस्यों से मिलकर बात कर चुके हैं।

मुंबई में पीएम मोदी की रैली से पहले पकड़े गए 3 संदिग्ध

मुंबई। मुंबई में पीएम मोदी की रैली से पहले पुलिस ने बीकेसी स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर से पहले दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए संदिग्धों के पास पीएमओ का फर्जी आईडी कार्ड और एक बंदूक बरामद की गई है। पकड़ा गया एक 24 वर्षीय युवक खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर परिसर में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। बंदूक से साथ हिरासत में लिया गया संदिग्ध बॉडीगार्ड के रूप में युवक के साथ था। हालांकि, पुलिस ने तीनों संदिग्धों के पीएम मोदी के कार्यक्रम से संबंध होने की संभावना को खारिज किया। मुंबई पुलिस ने बताया कि नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री मोदी का एक कार्यक्रम प्रस्तावित है। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति की पहचान 24 वर्षीय रोहन पारेख के रूप में हुई है। रोहन पारेख ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताया था। जांच करने पर उसके पास से पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र मिला।

मुख्यमंत्री योगी ने किया एलान

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 12 हजार और सहायिकाओं को छह हजार मिलेगा मानदेय

❍ एजेंसी, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान समारोह में बड़ी सौगात दी। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं का मानदेय आठ हजार से बढ़ाकर 12 हजार व सहायिकाओं का मानदेय चार हजार से बढ़ाकर छह हजार करने का ऐलान किया।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं के लिए चार प्रमुख योजनाओं के साथ काम कर रही है। इनमें मानदेय में वृद्धि, पांच लाख रुपये तक की कैशलेस इलाज की सुविधा, साड़ी की संख्या बढ़ाना और स्मार्टफोन उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों को व्यवस्थित

और स्मार्ट बनाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन हजार रुपये मानदेय मिलता था। सरकार बनने के बाद इसे बढ़ाकर आठ हजार रुपये और अब 12 हजार रुपये किया गया। सहायिकाओं का मानदेय भी बढ़ाकर छह हजार रुपये किया गया है।

उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं को अब तक 1.28 लाख स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। स्मार्टफोन से कार्यकताओं के काम को आसान बनाने में मदद मिली है। पहले दो साड़ियां मिलती थीं, अब एक और साड़ी दी जाएगी। इसके लिए 500 रुपये की राशि भी जोड़ी गई है। इससे पहले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए।

कार्यक्रम में अंबेडकरनगर, अमेठी, बाराबंकी, सुल्तानपुर, बस्ती और गोंडा से करीब 12 हजार आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को बुलाया गया था।

सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का अपना भवन होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का अपना भवन होना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए राज्य वित्त आयोग से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल किया जाएगा या अलग से बजट की व्यवस्था कर भवनों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। यदि बचपन सुरक्षित और स्वस्थ रहेगा तो यही स्वस्थ बचपन समर्थ और स्वस्थ भारत की संकल्पना को पूरा करेगा। स्वस्थ और समर्थ भारत प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने का आधार बनेगा। इसी संकल्पना का आधार आंगनबाड़ी केंद्र होंगे।

जेके हॉस्पिटल में इंजेक्शन लगने के आधे घंटे बाद राजमिस्त्री की मौत!

टेढ़ी बगिया स्थित जेके हॉस्पिटल में धर्मपाल सिंह की मौत से मचा हड़कंप, परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

टीएनएफ टुडे, आगरा।

टेढ़ी बगिया स्थित जेके हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 48 वर्षीय धर्मपाल सिंह की मौत के बाद हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों ने हंगामा किया, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस ने संभाला।

परिजनों के मुताबिक सोमवार रात करीब 10 बजे धर्मपाल सिंह दस्त और उल्टी की शिकायत के बाद अपने पैरों पर चलकर जेके हॉस्पिटल पहुंचे थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज शुरू किया गया।

परिजनों का आरोप है कि मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे अस्पताल स्टाफ ने धर्मपाल सिंह को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगने के करीब आधे घंटे बाद, लगभग 3:30 बजे उनकी मौत हो गई। अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

25 हजार देकर मामला शांत कराने का आरोप

मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि मौत के बाद उन्हें ?25 हजार रुपये देकर मामला शांत कराने की कोशिश की गई। परिजनों ने इस पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। हालांकि इन आरोपों पर अस्पताल प्रबंधन का पक्ष सामने आना बाकी है।

घर का इकलौता कमाने वाला था धर्मपाल

धर्मपाल सिंह राजमिस्त्री का काम करके परिवार का पालन-पोषण करते थे और घर के इकलौते कमाने वाले थे। उनकी मौत के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

मृतक की एक बेटी है, जो बीए की छात्रा है। पिता की मौत के बाद बेटी के सिर से पिता का साया उठ गया।

परिवार के मुताबिक बेटी की शादी और भविष्य की जिम्मेदारी भी धर्मपाल सिंह के कंधों पर थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मोर्चा संभाल लिया। पुलिस ने परिजनों को शांत कराया और हंगामा बढ़ने से रोका। परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि धर्मपाल सिंह की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम एवं चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

अस्पताल परिसर के बाहर कूड़े के ढेर में मिली दवाओं का जखीरा, वीडियो वायरल होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

पिनाहट। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिनाहट में दवाओं के रखरखाव और निस्तारण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार को अस्पताल के दवा वितरण कक्ष के पीछे खिड़की के बाहर कूड़े के ढेर में बड़ी संख्या में दवाएं पड़ी मिलीं। इनमें जिंक सल्फेट 20 एमजी की कई पत्तियां भी शामिल बताई जा रही हैं।

कूड़े के ढेर में पड़ी दवाओं का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में दवाएं कूड़े के ढेर में पड़ी दिखाई दे रही हैं। दवाओं के पैकेट पर एक्सपायरी डेट सितंबर 2026 अंकित दिखाई दे रही है।मामले को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि यदि दवाएं उपयोग के योग्य थीं तो उन्हें कूड़े के ढेर में क्यों फेंका गया। वहीं यदि किसी कारण से दवाएं अनुपयोगी या एक्सपायर हो गई थीं तो नियमानुसार उनका निस्तारण क्यों नहीं किया गया। बड़ी संख्या में सरकारी दवाओं के इस तरह कूड़े में मिलने से अस्पताल की दवा व्यवस्था और निगरानी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में आने वाली दवाएं मरीजों के उपचार के लिए होती हैं। ऐसे में दवाओं का उपयोग किए बिना कूड़े में मिलना गंभीर मामला है। हालांकि दवाएं कितने समय से वहां पड़ी थीं और उन्हें किसने वहां फेंका, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रमोद कुमार कुशवाह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किसान सेवा रथ' के संचालन के लिए कार्मिकों की भर्ती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

वाहन चालक, एलसीडी ऑपरेटर और हेल्पर पदों के लिए 100 कार्य दिवस हेतु मांगे गए आवेदन

मंडल में कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार और किसानों को जागरूक करने के लिए चलाए जाने वाले 'किसान सेवा रथ' के संचालन हेतु मानदेय पर कार्मिकों की नियुक्ति की जानी है। उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार ने जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत 100 कार्य दिवसों के लिए वाहन चालक, एलसीडी ऑपरेटर और हेल्पर के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जो आगरा और फिरोजाबाद के ग्रामीण इलाकों में तकनीक का प्रसार करेंगे।

मानदेय और पदवार योग्यता

इस योजना के तहत चुने जाने वाले कर्मियों को दैनिक आधार पर मानदेय दिया जाएगा, जिसका विवरण नीचे दिया गया है। वाहन चालकः मानदेय 500 प्रतिदिन। इसके लिए आवेदक के पास हैवी मोटर लाइसेंस और कम से कम दो साल का ड्राइविंग अनुभव होना अनिवार्य है।एलसीडी ऑपरेटरः मानदेय 400 प्रतिदिन। इसके लिए एलसीडी संचालन का ज्ञान होना और किसी मान्यता प्राप्त आईटीआई या ट्रेनिंग सेंटर से प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।

हेल्परः मानदेय 400 प्रतिदिन। इस पद के लिए आठवीं कक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

आवेदन से जुड़ी मुख्य बातें

चयन का आधारः यह पूरी तरह से अस्थायी अनुबंध 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। जिम्मेदारीः चयनित कर्मियों को राजकीय वाहन और संबंधित यंत्रों की सुरक्षा व रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी संभालनी होगी।

आवेदन का तरीकाः इच्छुक अभ्यर्थियों को विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिनों के भीतर अपना आवेदन पत्र स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय उप कृषि निदेशक, पचकुइयां, ताज मोटर्स के सामने, शाहगंज, आगरा-282010 में जमा कराना होगा। डाक या अन्य किसी माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुग्रीव चौहान के स्वागत के लिए उमड़ा हुजूम

रमाडा होटल से पंचवटी कार्यालय तक निकली विशाल रैली

हजारों समर्थकों की भीड़ से मुख्य मार्ग रहा घंटों जाम, समर्थकों ने जगह जगह किया जोशीला स्वागत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा वरिष्ठ भाजपा नेता सुग्रीव सिंह चौहान को ब्रज क्षेत्र का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे सुग्रीव सिंह चौहान लखनऊ से पहली बार आगरा पहुंचे। इस दौरान समर्थकों द्वारा रामाडा होटल पर हजारों की भीड़ और सैकड़ो गाड़ियों के काफिले के साथ उनका जोशीला स्वागत किया गया। करीब 10 से 15 हजार आदमी की भीड़ और हजारों गाड़ियों में उनके समर्थक पहुंचे। जहां जेसीबी मशीन से फूल बरसाकर स्वागत किया। उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आगरा लौटे सुग्रीव सिंह चौहान ने आगरा की जमीन पर कदम रखने से पहले मातृभूमि को शीश रखकर प्रणाम किया। इस दौरान भारी भीड़ के समर्थकों के साथ हजारों वाहनों के साथ रैली उनके कार्यालय पंचवटी के लिए रवाना हुई तो जगह-जगह समर्थकों द्वारा फूल माला पहनकर रैली को रोक कर स्वागत किया। करीब 4 घंटे की यात्रा के बाद रैली पंचवटी कार्यालय पर पहुंची जहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जहां मंच बनाकर समर्थकों द्वारा सुग्रीव चौहान का स्वाफा बांधकर और फूल माला पहनाकर जोशीला स्वागत किया गया। इस दौरान जन समुदाय को संबोधित करते हुए सुग्रीव सिंह चौहान ने कहा मैं आप सबका बेटा हूं भाई हूं। आप सबके ही सहयोग के कारण पार्टी ने मुझे यह पद दिया है। मैं आप सबको भरोसा और विश्वास दिलाता हूं। कि आपकी अपेक्षाओं पर सदैव में खराब उतरूंगा। विरोधियों पर हमला करते हुए कहा अब जो सही होगा वही चलेगा। जो गलत होगा वह नहीं चलेगा। देश में नरेंद्र मोदी की सरकार और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार विकास की सरकार है। हम जातिवाद को नहीं मानते हैं। साथ ही जैन जी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे युवाओं का नेता बताया जाता है। मैं इस बात का गर्व महसूस करता हूं। क्योंकि बड़े बुजुर्ग युवा बच्चे महिलाएं बहन बेटियां मैं सब की आवाज आगे उठाने का काम करना चाहता हूं।

गरीबों की आवाज अब कोई नहीं दबा सकता

सुग्रीव सिंह चौहान ने समर्थकों को संबोधित करते हुए भावुक होकर कहा कि अब आप लोगों की आवाज कोई नहीं दवा सकता है।

क्योंकि आप लोगों की आवाज में हूं और मैं आगे बढ़कर आपके जो भी सपनों को जरूर पूरा करूगा। इस समय देश में प्रदेश में जो सरकार है। वह गरीब और असहायों की पहले सुनती है। कांग्रेस और सपा के शासन काल में देश और प्रदेश में किस तरह भ्रष्टाचार और गुंडाराज था। लेकिन आज किसी भी बहन बेटी की तरफ कोई आंख नहीं उठा सकता। सबको बता है। ये बाबा का शासन काल है। और बाबा आततायियों के लिए साक्षात काल है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

पूर्व प्रधानसभा प्रत्याशी शैलू जादौन, संतोष कटारा जिला महामंत्री, सुधीर गर्ग चैयरमेन खैरागढ़, आशा देवी चक चैयरमेन फतेहाबाद, पूर्व ब्लाक प्रमुख पिनाहट रामस्नेही कौशल, डां राजीव उपाध्याय, उमेश पाराशर, भोलू परिहार,सचिन धाकरे प्रधान, सोमवीर तोमर, कान्हा तोमर मौजूद रहे हैं

आधुनिक अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित होगा राजकीय जिला पुस्तकालय: डीएम

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में हुई बैठक, एसी और महिला होमगार्ड की तैनाती के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

राजकीय जिला पुस्तकालय को विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक आधुनिक और सुविधायुक्त अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार के बजाय राजकीय जिला पुस्तकालय भवन में ही जिला पुस्तकालय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें पुस्तकालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए।

विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनुकूल और आरामदायक माहौल देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने वाचनालय हॉल में दो नए एसी लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही महिला पाठकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय परिसर में महिला होमगार्ड की तैनाती के भी निर्देश दिए गए हैं।

पुस्तकालय को युवाओं के लिए अधिक उपयोगी बनाने के लिए नवीन पाठ्यक्रमों पर आधारित प्रतियोगी पुस्तकों का संग्रह बढ़ाया जाएगा, जिसके लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व का सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम के समन्वय से परिसर और शौचालयों में नियमित सफाई कर्मचारियों की तैनाती, हरित क्षेत्र की देखभाल और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया है। पुस्तकालय में पड़े पुराने और अनुपयोगी फर्नीचर की पारदर्शी प्रक्रिया के तहत नीलामी कराने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि उस स्थान का सदुपयोग किया जा सके।

बैठक के बाद जिलाधिकारी ने खुद पुस्तकालय परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्रपाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह, प्रतिमा भार्गव और पुस्तकालय अध्यक्ष सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पोषण माह से संवर रहा मां और बच्चे का भविष्य

बुधवार से शुरू होगा नौवां राष्ट्रीय पोषण माह:

आगरा में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत बुधवार से होने जा रही है, जो आगामी नौ अक्टूबर तक चलेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेर्शों के तहत आयोजित होने वाले इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य हर गर्भवती और धात्री माता के पोषण को सुनिश्चित करना तथा बच्चों के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी करना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार मौर्या ने जानकारी दी है कि इस पूरे अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराया जाएगा। इसके साथ ही स्तर पर लंबित पड़े आवेदनों की नियमित समीक्षा कर उन्हें सत्यापित कर आगे बढ़ाया जाएगा। लाभार्थियों को सरकारी सहायता आसानी से मिल सके, इसके लिए बैंक खातों और एनपीसीआई से लिंकेज को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकताओं की अहम भूमिका होगी, जो घर-घर जाकर लोगों को संतुलित आहार और सही पोषण के प्रति जागरूक करेंगी। बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग के साथ-साथ कुपोषण जैसी समस्याओं पर रोक लगाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि स्वस्थ मां से ही सुरक्षित भविष्य की नींव रखी जाती है, और इस अभियान का मकसद समाज के हर कोने तक इस संदेश को प्रभावी रूप से पहुंचाना है।

जलभराव और टूटी सड़कों से राहत की मांग

सांसद राजकुमार चाहर ने जिलाधिकारी को लिखा पत्र

गांवों और कस्बों में जलभराव की समस्या पर जताई चिंता, जल निकासी और सड़कों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजकुमार चाहर ने आगरा जनपद के ग्रामीण इलाकों, बस्तियों, नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं और शहर से सटी कॉलोनियों में बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव और टूटी सड़कों की गंभीर समस्या को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से प्रशासन से इस विकट समस्या के त्वरित और स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

सांसद राजकुमार चाहर ने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्षा ऋतु के दौरान सड़कों और गलियों में पानी भर जाने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। खासकर स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और कई जगहों पर जलभराव के कारण सड़क हादसे भी सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से ग्रामीण युवा लगातार जलभराव और जर्जर सड़कों की समस्या को उठा रहे हैं, तथा तालाबों-पोखरों की जल धारण क्षमता घटने से हालात और बिगड़ गए हैं।

सांसद ने जिलाधिकारी से मांग की है कि लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत, विकास खंड, तहसील और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए समस्या के समाधान के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी से ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं को चिन्हित करने और उनके त्वरित समाधान के निर्देश देने को कहा गया है। जल निकासी के लिए नालियों के निर्माण, क्षतिग्रस्त सड़कों व खड़ंजों की मरम्मत तथा सीसी सड़कों के निर्माण जैसे विकास कार्य प्राथमिकता पर कराने पर जोर दिया गया है ताकि आम जनता को राहत मिल सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर की जाने वाली कार्रवाई से अवगत कराने के लिए पत्र की एक प्रति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी प्रेषित की गई है।

आंगनबाड़ी कर्मियों और मेधावी बच्चों का सम्मान

सूरसदन प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ भव्य सम्मान समारोह, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

नवचयनित आंगनबाड़ी कर्मियों को मिले नियुक्ति पत्र और मेधावी हुए सम्मानित

सूरसदन प्रेक्षागृह में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग तथा महिला कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अयोध्या में आयोजित मुख्य समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन और नियुक्ति पत्र वितरण का सजीव प्रसारण उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा व सुना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. जीएस धर्मेश और जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया तथा जिलाधिकारी मनीष बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिले के मेधावी छात्रों, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) के तहत 8 मेधावी बच्चों–डॉली बैजल, अर्थव उपाध्याय, सक्षम चौधरी, लक्ष्य अग्रवाल, धनंजय, पलक बंसल, सार्थक मिश्रा और नव्या मिश्रा को लैपटॉप प्रदान किए गए।

मेधावी छात्राओं का सम्मानः 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की 10 मेधावी छात्राओं–मुस्कान, विग्देश, महिमा वर्मा, अंतरिका राजपूत, आराध्या वर्मा, सपना, राधिका, खुशी जैन, अंजली और याशिका को सम्मान पत्र व डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी कर्मियों और अन्य लाभाथीर्यों का सम्मानः उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों (किरन, कुसुम शर्मा, ऋचा अग्रवाल, भावना सक्सेना और सुधा यादव) को प्रशस्ति पत्र दिए गए, जबकि सैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी में सुधार पाने वाले 5 बच्चों के अभिभावकों को पोषण पोटली सौंपी गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के 2 लाभार्थियों (अदिति वर्मा व स्नेहा) और कन्या सुमंगला योजना के 2 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उनके दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज मौर्या और जिला परिवीक्षा अधिकारी अतुल सोनी सहित संबंधित विभागों के तमाम अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुकथरी के तालाब का गंदा पानी गलियों में भरा

दुर्गंध से लोगों का घरों में रहना मुश्किल

पिनाहट। कई वर्षों से साफ सफाई नहीं होने के कारण गंदगी से भरे तालाब का दुर्गंध युक्त पानी गांव की गलियों में घरों के आगे भरने लगा है। जिससे लोगों आवागमन में परेशानी के साथ साथ सांस लेने में भी दिक्कतें हो रही है। ग्रामीणों ने साफ सफाई की मांग की है।

पिनाहट की ग्राम पंचायत कुकथरी में गांव के बीचोंबीच घनी बस्ती में एक बड़ा और प्राचीन तालाब है। इसी तालाब में गांव की नालियों का पानी जाता है। ग्रामीणों की माने तो कई वर्षों से इस तालाब की साफ सफाई नहीं की गयी है। जिस कारण तालाब ओवरफ्लो होकर तालाब का दुर्गंध युक्त पानी गांव की गलियों और घरों के बाहर भर रहा है। जिसकी दुर्गंध से गांव में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। साथ ही लोगों को सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीण उमाशंकर शास्त्री ने बताया कि बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। ग्रामीण मुकेश शर्मा, प्रवेश शर्मा, रामजस बघेल, शैलेन्द्र शर्मा, राममूर्ति शर्मा, शिवेन्द्र, गौरीशंकर घनश्याम ने तालाब साफ सफाई की मांग की है।

ताजनगरी में जुटे दुनिया के जाने माने वास्तु विशेषज्ञ, होटल जेपी पैलेस में पांच दिनी 23वां आर्कएशिया फोरम हुआ शुरू

24 एशियाई देशों के 600 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, भारतीय वास्तुकार, शिक्षाविद, विद्यार्थी व विशेषज्ञ हैं आगरा में शामिल, जयपुर में देश- दुनिया के ढाई हजार आर्किटेक्ट्स ओपन फोरम में होंगे शामिल

- एशियाई वास्तुविदों के लिए तकनीकी और वैचारिक साझेदारी के साथ भारत की विरासत से सीखने का स्वर्णिम अवसर है यह फोरमः बूजियांग
- इस आयोजन से दुनिया को मिलेगी भारतीय प्राचीन वास्तु विरासत को नए ढांचे में फिट करने की कलाः विलास वसंत अवचत भारत की पुरातात्विक
- बुद्धिमत्ता, ऐतिहासिक वास्तु-विरासत और अनूठी स्थापत्य कला को आधुनिक डिजाइंस और भवन निर्माण कार्य में शामिल करना दुनिया की जरूरतः तुषार सोगानी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

हमारी आर्किटेक्चर धरोहर को विदेशी आर्किटेक्ट्स के सामने शोकेस करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमारी वनार्कुलर विजडम की ताकत को दुनिया समझेगी। पूरी दुनिया को यह जानना होगा कि आर्किटेक्चर के क्षेत्र में भी हम सशक्त हैं, सस्टेनेबल हैं और विश्व गुरु हैं। भारत की पुरातात्विक बुद्धिमत्ता, ऐतिहासिक वास्तु-विरासत और अनूठी स्थापत्य कला को आधुनिक डिजाइंस और भवन निर्माण कार्य में शामिल करना आज दुनिया की जरूरत है..

द इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के तत्वावधान में फतेहाबाद रोड स्थित होटल जेपी पैलेस में मंगलवार सुबह शुरू हुए पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन 23 वें आर्कएशिया फोरम में *कन्वीनर आर्किटेक्ट तुषार सोगानी (जयपुर)* ने उपरोक्त विचार आयोजन की थीम 'ब्रिंगिंग बैक वनार्कुलर विजडम' के बारे में बताते हुए पत्रकारों से साझा किए।

उन्होंने बताया कि आगरा, जयपुर और दिल्ली के स्वर्णिम त्रिकोण में आयोजित इस विशिष्ट ऐतिहासिक आयोजन के अंतर्गत 24 एशियाई देशों के 600 से अधिक प्रतिनिधि आगरा में शुरू हुई कमेटी मीटिंग और काउंसिल मीटिंग्स में सहभागिता कर रहे हैं जबकि जयपुर में 11-12 सितंबर को आयोजित ओपन फोरम में देश और दुनिया के ढाई हजार से अधिक आर्किटेक्ट सहभागिता करेंगे।

आर्कएशिया के प्रेसिडेंट बूजियांग (चीन) ने कहा कि विज्ञान ने प्रगति की है। नई तकनीकी भी आई है, फिर भी हमको अपनी विरासत से सीखने की महती आवश्यकता है ताकि भवन निर्माण के क्षेत्र में हर चुनौती का सामना बेहतर ढंग से किया जा सके। यह फोरम एशियाई वास्तुविदों के लिए तकनीकी और वैचारिक साझेदारी के साथ भारत की विरासत से सीखने का स्वर्णिम अवसर है।

आईआईए के नेशनल प्रेसिडेंट आर्किटेक्ट विलास वसंत अवचत (मुंबई) ने बताया कि इस फोरम के पहले दिन आज सुबह जब विभिन्न देशों के आर्किटेक्ट्स ने वर्ल्ड हेरिटेज स्मारक ताजमहल देखा तो वे उसकी वास्तुकला पर फिदा हो गए। उन्होंने भरोसा जताया कि इस आयोजन से दुनिया को भारतीय प्राचीन वास्तु विरासत को नए ढांचे में फिट करने की कला सीखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट आफ आर्किटेक्ट्स प्रोफेशनल और एजुकेशनल साझेदारी का वैश्विक मंच है। इस संगठन से भारत के 35 हजार आर्किटेक्ट्स सदस्य रूप में जुड़े हुए हैं।

आईआईए आगरा सेंटर के प्रेसिडेंट आर्किटेक्ट समीर गुप्ता विभव ने कहा कि 'ब्रिंगिंग बैक वनार्कुलर विजडम' जैसे विषय पर वैचारिक साझेदारी के लिए आगरा से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती क्योंकि आगरा ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी सहित तीन-तीन यूनेस्को वर्ल्ड हेरीटेज मॉन्यूमेंट्स का शहर है। इन मॉन्यूमेंट्स का आर्किटेक्चर बहुत सशक्त है। यहाँ क्लाइमेट का भी बहुत अधिक ध्यान रखा गया है। यदि हम आज की इमारतें देखें तो आज 2-3 वर्ष में ही इमारतें बीमार हो जाती हैं, लीक करने लगती हैं जबकि हमारी 400-500 वर्ष पुरानी विश्वदाय इमारतों में सीलन तक का निशान नहीं। इन धरोहरों से वास्तुकला सीखने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस फोरम से हमारी सशक्त विरासत और हमारी वास्तु परंपरा को वर्तमान आर्किटेक्चर में इस्तेमाल करने की सीख देश-दुनिया के हजारों आर्किटेक्ट्स को मिलेगी।

परंपरा और आधुनिकता के बीच संवाद

फोरम में स्थानीय जलवायु के अनुरूप डिजाइन, प्राकृतिक निर्माण सामग्री, पारंपरिक शिल्प एवं निर्माण तकनीक, पारंपरिक भवन-रूपों की पुनर्व्याख्या, वर्नाक्युलर वास्तुकला से सीख, संस्कृति एवं स्थान, शहरी डिजाइन में पहचान और डिजाइन शिक्षा के पुनर्विचार जैसे विषय प्रमुख रहेंगे।

आर्कएशिया के प्रमुख लक्ष्यों में टिकाऊ वास्तुकला को बढ़ावा देना, एशियाई वास्तुकारों के बीच ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान बढ़ाना, नवीन वास्तु तकनीकों के अनुकूलन के अवसर उपलब्ध कराना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना तथा एशिया की विविध वास्तु परंपराओं का संरक्षण एवं आधुनिक संदर्भ में विकास शामिल है।

पांच सभागारों में चल रहा विमर्श

फोरम के पहले दिन जेपी पैलेस के पांच अलग-अलग सभागारों में ऑनलाइन और ऑफलाइन मीटिंग सुबह से शाम तक चलती रहीं। यंग आर्किटेक्ट्स, सस्टेनेबल आर्किटेक्चर, आर्किटेक्चर एजुकेशन, सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रोफेशनल प्रैक्टिस विषय पर आर्कएशिया कमेटी की मीटिंग्स दिन भर जारी रहीं। इस दौरान आईआईए-यूपी चैप्टर अध्यक्ष संदीप सारस्वत (लखनऊ) भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जापान के प्रसिद्ध वास्तुकार रिकेन यामामोटो होंगे प्रमुख वक्ताओं में शामिल

फोरम के प्रमुख आकर्षणों में जापान के प्रसिद्ध वास्तुकार और 2024 ढ१३९ी१ अ१ॅ३ी३४१ी ढ१९ी छं४१ीं३ी फ्रील्ल ेंङ्म३ङ्म का डी८ल्लङ्म३ी री२१ङ्मल्ल शामिल है। उनका सत्र ह्लशी१ल्लूं४ी१ २ र८२३ी, ठङ्म३ र३८ीह्व विषय पर केंद्रित होगा। इसके अतिरिक्त भारत सहित एशिया के अनेक देशों के वास्तु एवं डिजाइन विशेषज्ञ विभिन्न तकनीकी और मास्टर सत्रों में भाग लेंगे।

ओपन फोरम में इन विषयों पर होगी चर्चाः

- मिट्टी, पत्थर, बांस, चूनाः नई भौतिक बुद्धिमत्ता
- जो हाथ बनाते हैंः शिल्प - संरचना, बारीकी और पहचान के रूप में
- आंगन से समुदाय तकः नए जीवन के लिए पुरानी शैलियाँ
- गर्मी, हवा, छायाः सांस लेती इमारतों का डिजाइन
- जमीन से सीखनाः डिजाइन शिक्षा को अधिक यथार्थपरक बनाना
- आत्मा से भरी गलियाँः मुखौटों से परे शहरी पहचान

एसएन मेडिकल कॉलेज की बदहाली के खिलाफ समाजवादी पार्टी का उग्र प्रदर्श

मंडलायुक्त कार्यालय जा रहे सपाइयों को पुलिस ने रोका, उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग के साथ दिया सात दिन का अल्टीमेटम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कहे जाने वाले ऐतिहासिक एसएन मेडिकल कॉलेज में व्याप्त भ्रष्टाचार, मरीजों के शोषण और बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ मंगलवार को समाजवादी पार्टी का गुस्सा सड़कों पर साफ नजर आया। महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ता जिला कार्यालय से मंडलायुक्त कार्यालय की ओर पैदल मार्च के लिए निकले। हालांकि, पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रास्ते में ही रोक लिया, जिसके बाद पुलिस और कार्यकताओं के बीच तीखी नोकझोंक व धक्का-मुक्की हुई। विरोध में कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बाद में एसीपी ताज सुरक्षा को ज्ञापन सौंपकर पार्टी ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

अल्ट्रासाउंड के लिए महीनों का इंतजार और दलालों का जाल

प्रदर्शन के दौरान सपा महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास ने सरकार और अस्पताल प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अठारह सौ चौवन में स्थापित यह कॉलेज लगभग दो करोड़ लोगों की स्वास्थ्य जरूरतें पूरी करता है, लेकिन आज यह गरीबों के शोषण का अड्डा बन चुका है। हालात यह हैं कि मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए दो से तीन महीने बाद की तारीख दी जा रही है, जबकि सीटी स्कैन के लिए घंटों लाइनों में खड़ा होना पड़ता है। इसके अलावा प्रसूति वार्ड में सुविधाओं का अभाव है और तीमारदारों को बाहर से दवाइयां मंगाकर हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। अस्पताल परिसर में सक्रिय दलालों और निजी मेडिकल स्टोर संचालकों का गठजोड़ गरीब मरीजों की जेब पर डाका डाल रहा है।

सात दिन का अल्टीमेटम, वरना होगा विशाल आंदोलन

सपा ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी सात दिनों के भीतर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी आम जनता और मरीजों के साथ मिलकर एस.एन. मेडिकल कॉलेज पर एक विशाल धरना-प्रदर्शन करेगी तथा जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करेगी। पार्टी ने मांग की है कि पूरे मामले की सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराई जाए, अवैध वसूली करने वालों पर एफआईआर दर्ज हो और अस्पताल को पूरी तरह दलाल-मुक्त बनाया जाए।

पशुपतिनाथ के दर्शन को साइकिल से निकले श्रद्धालु

- रास्ते में हुआ जोरदार स्वागत, जयकारों के साथ नेपाल के लिए हुए रवाना

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

राजस्थान के पाली जिले की रोहट तहसील के गांव चेंडा से नेपाल के काठमांडू स्थित श्री पशुपतिनाथ महाराज के दर्शन के लिए साइकिल यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का फतेहाबाद क्षेत्र में स्वागत किया गया। राजस्थान से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए नेपाल तक जाएगी। यात्रा के 12वें दिन साइकिल यात्रियों का दल आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निकट स्थित गांव अई निवासी केप्टन राजेश्वर सिंह गुर्जर के निवास पर पहुंचा। जहां जत्थे के सदस्यों ने भोजन कर रात्रि विश्राम किया साइकिल दल में कैप्टन शैतान जी देवासी, करण जी देवासी, सुरेश जी देवासी एवं ओम जी देवासी शामिल हैं। मुख्य व्यवस्थापक सुखराम जी वाहन से दल के साथ चल रहे हैं और यात्रा के दौरान रात्रि विश्राम, भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार प्रातः करीब 10 बजे दल के सदस्यों ने बाबा पशुपतिनाथ महाराज के जयकारे लगाए और नेपाल के लिए प्रस्थान किया। कैप्टन राजेश्वर सिंह गुर्जर ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की।

रहस्यमय परिस्थितियों में नाबालिग की मौत

- पोस्टमार्टम हाउस पर फूटा वाल्मीकि समाज का गुस्सा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

हरिपर्वत थाना क्षेत्र के लंगड़े की चौकी निवासी 16 वर्षीय नाबालिग की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर भारी हंगामा देखने को मिला। परिवार और वाल्मीकि समाज के लोगों ने पुलिस के सड़क हादसे वाले दावे पर गंभीर सवाल उठाते हुए हत्या की आशंका जताई है। इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए समाजवादी पार्टी के दक्षिण विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी विनय अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पोस्टमार्टम गृह पहुंचा और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

परिजनों के अनुसार मृतका 28 अगस्त को अपने घर से निकली थी और वापस न लौटने पर एक सितंबर को उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान वह छत्ता थाना क्षेत्र के जीवनी मंडी इलाके में सड़क हादसे में घायल हो गई थी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान रात करीब दो बजे उसकी मौत हो गई, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोग और परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। परिजनों का कहना है कि उन्हें किशोरी के शरीर पर आई चोटों और इलाज के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, इसलिए वे इस मौत को महज हादसा नहीं मान रहे हैं। पुलिस ने हादसे की बात कहते हुए कार को कब्जे में लेने और घटना के सीसीटीवी में कैद होने का दावा किया है, लेकिन समाज के लोगों का आक्रोश इस बात को लेकर है कि अभी तक कार चालक और वाहन मालिक की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई।

- सड़क हादसे को परिवार ने बताया हत्या, सपा नेता विनय अग्रवाल के नेतृत्व में निष्पक्ष जांच की मांग

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे सपा नेता विनय अग्रवाल ने कहा कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और परिवार की हर आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाए, उसकी वीडियोग्राफी हो और घटनास्थल से लेकर अस्पताल तक के सभी सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से पड़ताल की जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी साजिश या हत्या के साक्ष्य मिलते हैं तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और यदि दुर्घटना भी साबित होती है, तो भी जिम्मेदार व्यक्ति को बख्शा न जाए।

इस दौरान महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ काम करने की अपील की। समाज के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच कर न्याय नहीं मिला तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष सतीश चाहर, परवेज खान, विमल वाल्मीकि, सुमित चौहान, हिमांशु यादव और सलमान सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात

युवा ऊर्जा और अंत्योदय के संकल्प पर मंथन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

विकास और सांगठनिक मुद्दों को लेकर राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने हाल ही में पार्टी नेतृत्व के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ पार्टी संगठन की मजबूती, जनसेवा के अभियानों और देश की युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने पर गहन विचार-विमर्श किया। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु आधुनिक पीढ़ी की ऊर्जा का राष्ट्र निर्माण में सही इस्तेमाल करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आयोजित होने वाले 'सेवा पखवाड़े' को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

Gen Z की ऊर्जा और तकनीकी समझ को मिलेगी नई दिशा

चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने नई पीढ़ी यानी Gen Z की बदलती सोच, उनकी कार्यकुशलता और तकनीकी क्षमता की सराहना की। इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि युवाओं को केवल भविष्य के कर्णधार के रूप में देखने के बजाय वर्तमान समय में ही देश के विकास और सामाजिक बदलाव का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। युवाओं के भीतर राष्ट्रसेवा, सामाजिक दायित्व और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के तौर-तरीकों पर भी विस्तार से मंथन हुआ।

- Gen Z की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और सेवा पखवाड़े की रूपरेखा पर हुई व्यापक चर्चा

सेवा पखवाड़े और अंत्योदय के विचार से मजबूत होगा जनविश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर भी ठोस रणनीति तैयार की गई। इसे महज औपचारिकता तक सीमित न रखकर एक व्यापक जनअभियान बनाने का आह्वान किया गया, जिससे समाज के हर वर्ग तक सीधे पहुंचा जा सके। इसके अलावा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' के सिद्धांत को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने इस दौरान स्पष्ट किया कि जनता का अटूट विश्वास और जनसेवा का संकल्प ही एक सशक्त लोकतंत्र की असली ताकत है, जिसे संगठन की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखा गया है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

डिजिटल युग में खोता एकांत और हमारी बदलती मानसिकता

आज का दौर तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दौर है जहाँ हर पल हर व्यक्ति किसी न किसी माध्यम से पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। सुबह आँख खुलने से लेकर रात को सोने तक हमारे हाथ में मोबाइल फोन और स्क्रीन रहते हैं जो हमें पल-पल की खबर देते हैं। इस डिजिटल क्रांति ने जहाँ हमारे कामकाज को बहुत आसान बना दिया है, वहीं इसने हमारे जीवन से उस निजी एकांत और आत्ममंथन के समय को पूरी तरह छीन लिया है जो मानसिक शांति के लिए सबसे अनिवार्य माना जाता था। कभी इंसान अकेले बैठकर अपने विचारों को दिशा देता था, लेकिन आज हर खाली पल को रील्स और सोशल मीडिया की अंतहीन फीड से भरने की एक लाचारी सी बन गई है।

इस निरंतर जुड़ाव का सबसे घातक असर हमारी मानसिक एकाग्रता और धैर्य पर पड़ रहा है। सूचनाओं के इस अता-पता समंदर में तैरते हुए हम सतही तौर पर तो बहुत कुछ जान रहे हैं, लेकिन किसी भी विषय की गहराई में उतरने की हमारी क्षमता लगातार क्षीण होती जा रही है। बच्चों से लेकर युवाओं तक में सहनशीलता की कमी और छोटी-छोटी बातों पर अधीर होने की प्रवृत्ति इसी डिजिटल अति-संवेदनशीलता का परिणाम है। जब तक हमारा मस्तिष्क शांत और स्थिर नहीं होगा, तब तक किसी भी मौलिक विचार या रचनात्मक कार्य का जन्म होना असंभव है। यही कारण है कि आज भौतिक सुख-सुविधाएं बढ़ने के बावजूद मानसिक तनाव और अवसाद जैसी बीमारियां महामारी का रूप लेती जा रही हैं। इस अदृश्य संकट से बाहर निकलने के लिए अब यह आवश्यक हो गया है कि हम अपनी जीवनशैली में 'डिजिटल डिटॉक्स' जैसी अवधारणाओं को गंभीरता से अपनाएं।

दिन में कम से कम कुछ घंटे ऐसे होने चाहिए जब हम सभी प्रकार की स्क्रीन और वर्चुअल दुनिया से पूरी तरह कटकर खुद के साथ समय बिता सकें। प्रकृति के सान्निध्य में बैठना, किताबें पढ़ना और अपनों से आमने-सामने बैठकर संवाद करना हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए संजीवनी का काम कर सकता है। तकनीक हमारी सुविधा के लिए है, हमें उसका गुलाम बनने के बजाय उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना होगा तभी हमारा समाज मानसिक रूप से स्वस्थ और सशक्त बन पाएगा।

यूपी 2027: जल्द शुरू होगा सियासी समर एंड पलायन

बृज खंडेलवाल

समय आ गया है।

लखनऊ में एक नया बोर्ड लग जाना चाहिए:

'राजनीतिक मौसम बदल रहा है। पार्टी का झंडा कस के पकड़े रहें और संभालकर रखें।'

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर हैं। मगर सियासी पारा तेजी से चढ़ रहा है। नेता हवा का रुख भांप रहे हैं। पार्टियां वोट गिन रही हैं। टिकट के दावेदार दरवाजे खटखटा रहे हैं। और राजनीतिक रणनीतिकार जातीय समीकरणों की नई कुंडली बना रहे हैं।

चुनाव सिर्फ लड़े नहीं जाते; वे बाकायदा इंजीनियर किए जाते हैं। 403 विधानसभा सीटों वाले प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा 202 है। बीजेपी के पास फिलहाल करीब 258 विधायक हैं, जबकि समाजवादी पार्टी के पास लगभग 101 सीटें हैं। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव ने तस्वीर में दरार डाल दी थी। बीजेपी 33 सीटों पर सिमट गई, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतकर विपक्षी गठबंधन को 43 सीटों तक पहुंचा दिया। अचानक अजेय दिखने वाली सत्ता को चुनौती दिखाई देने लगी। और जब सत्ता की दीवार में दरार नजर आए, तो दल-बदल उद्योग सबसे पहले सक्रिय होता है।

उत्तर प्रदेश ने दल-बदल की कला में महारत हासिल कर ली है। विचारधारा अक्सर नेता के साथ पार्टी बदल लेती है। खासकर जब टिकट का सवाल हो।

हाल में AIMIM के प्रवक्ता सैयद आसिम वकार कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी पर बीजेपी की 'बी-टीम' की तरह काम करने का आरोप लगाया।

AIMIM यूपी में कोई बड़ी चुनावी ताकत नहीं है। फिर भी यह घटना संकेत देती है कि विपक्ष वोट कटने के खतरे को लेकर सतर्क है। बिहार का अनुभव अभी ताजा है। जब मुकाबला कांटे का हो, तब कुछ हजार वोट भी सरकार बना सकते हैं और सरकार गिरा सकते हैं।

यूपी में पार्टी बदलना अब कोई राजनीतिक अपराध नहीं माना जाता। नेता बीजेपी से सपा में जाते हैं। सपा से बसपा में जाते हैं। बसपा से बीजेपी में आते हैं। फिर मौका मिले तो वापस भी लौट आते हैं।

झंडा बदलता है, भाषण वही रहता है।

अयोध्या इस चुनाव का सबसे दिलचस्प राजनीतिक प्रयोगशाला बन सकती है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कुछ ही महीनों बाद फैजाबाद लोकसभा सीट पर बीजेपी की हार ने पार्टी को चौंका दिया। समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने बीजेपी के मौजूदा सांसद लल्लू सिंह को 54 हजार से अधिक मतों से हराया। अब विधानसभा चुनाव में अयोध्या सीट पर सबकी नजर होगी।

मौजूदा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को लेकर पार्टी में मंथन चल रहा है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के पवन पांडेय मजबूत चुनौती पेश कर सकते हैं।

बीजेपी के सामने सवाल सीधा है।

क्या राम मंदिर का मुद्दा अकेले चुनाव जिता देगा, या उसके साथ जातीय समीकरण भी जोड़ना पड़ेगा?

यूपी की राजनीति इस सवाल का जवाब हमेशा एक ही देती है: 'दोनों चाहिए।'

बीजेपी: बूथ बचाओ, वोट बढ़ाओ

बीजेपी चुनाव में मजबूत संगठन, सत्ता की मशीनरी, कल्याणकारी योजनाओं और योगी आदित्यनाथ सरकार के कामकाज के सहारे उतरेगी।

उसकी रणनीति भी साफ है: बूथ मजबूत करो, लाभार्थियों तक पहुंचो, गैर-यादव पिछड़ों और गैर-जाटव दलितों को साथ रखो, सवर्ण समर्थन बनाए रखो और सपा के ढऊआ समीकरण को फैलने से रोक दो।

ठऊआ के सहयोगी भी अपनी-अपनी हिस्सेदारी मांगेंगे। अपना दल, निषाद पार्टी, आरएलडी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सीटों पर दावा ठोकेंगे।

गठबंधन राजनीति में पुरानी कहावत याद आती है: 'बहुत ज्यादा रसोइये हों तो खिचड़ी बिगड़ सकती है।'

लेकिन चुनाव में कभी-कभी कम रसोइयों से भी खाना जल जाता है।

अखिलेश यादव के पास इस बार एक महत्वपूर्ण हथियार है; 2024 का प्रदर्शन।

PDA यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण ने लोकसभा चुनाव में सपा को मजबूत किया। अब चुनौती इस सामाजिक गठजोड़ को विधानसभा की 403 सीटों तक पहुंचाने की है। यह आसान काम नहीं है।

लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय मुद्दों और बड़े नेताओं के नाम पर लड़ा जाता है। विधानसभा चुनाव में बूथ, बिरादरी, उम्मीदवार और स्थानीय समीकरण ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए सपा को जमीन पर संगठन मजबूत करना होगा। सिर्फ सोशल मीडिया से सरकार नहीं बनती।

कांग्रेस को चाहिए सम्मान और सीटें, कांग्रेस ने लोकसभा में छह सीटें जीतकर अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ा ली है। अब वह विधानसभा में सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहती है। पार्टी के नेताओं ने 'बराबरी और सम्मान' के साथ गठबंधन की बात कही है। लेकिन यहां पेच है।

सपा खुद को यूपी में वरिष्ठ सहयोगी मानती है। कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग कर रही है।

यानी INDIA गठबंधन का सबसे बड़ा दुश्मन शायद बीजेपी नहीं होगा।

सीटों का गणित हो सकता है।

राजनीति में विचारधारा पर भाषण दिए जा सकते हैं। लेकिन टिकट बांटते समय कैलकुलेटर निकल आता है। बहुजन समाज पार्टी ने गठबंधन की गाड़ी में बैठने से इनकार कर दिया है।

मायावती ने साफ संकेत दिया है कि इरढ 2027 का विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। उनका तर्क है कि पिछले गठबंधनों में बसपा के वोट तो दूसरे दलों को मिले, लेकिन बदले में पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। बसपा के सामने लक्ष्य बड़ा है: पूर्ण बहुमत। यह सुनने में महत्वाकांक्षी लगता है। लेकिन बसपा को कम आंकना भी राजनीतिक भूल हो सकती है। वह कई सीटें न जीते, फिर भी कई सीटों का परिणाम तय कर सकती है। यही है स्पॉइलर फैक्टर। कभी-कभी चुनाव जीतने के लिए सीट जीतना जरूरी नहीं होता। किसी दूसरे को हराने के लिए पर्याप्त वोट लेना भी काफी होता है। असली मुद्दे दरवाजे पर खड़े हैं

जातीय गणित के पीछे जनता के असली सवाल भी खड़े हैं। रोजगार, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाएं, पेपर लीक, महंगाई, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और बुलडोजर राजनीति चुनावी विमर्श का हिस्सा बनेंगे। युवा मतदाता खास तौर पर महत्वपूर्ण होंगे। नारे से पेट नहीं भरता। नौकरी की जरूरत होती है। बीजेपी कल्याणकारी योजनाओं, विकास, कानून-व्यवस्था और हिंदुत्व को सामने रखेगी। सपा सामाजिक न्याय, बेरोजगारी और शासन के सवाल उठाएगी। कांग्रेस पुनर्जीवन की कोशिश करेगी। बसपा पुराने सामाजिक इंजीनियरिंग मॉडल को नए रूप में आजमा सकती है। छोटी पार्टियां अपनी-अपनी जातीय जेबें तलाशेंगी। और टिकट के दावेदार?

वे अपनी राजनीतिक तीर्थयात्रा जारी रखेंगे।

टिकट ही असली घोषणापत्र है

दशहरे तक कई राजनीतिक समीकरण साफ होने लगेंगे। दिवाली के बाद टिकटों की मंडी गर्म होगी।

फिर वही दृश्य सामने आएंगे।

नाराज नेता।

बागी उम्मीदवार।

भावुक इस्तीफे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस।

और वही अमर संवाद:

'पार्टी ने मेरे साथ धोखा किया है।'

वोटर चुपचाप सब देखेगा।

उत्तर प्रदेश का चुनाव कभी सिर्फ पार्टियों का चुनाव नहीं रहा। यह जातीय गठबंधनों, उम्मीदवारों, बूथ प्रबंधन, स्थानीय नाराजगी, धनबल, संगठन और राष्ट्रीय मुद्दों का जटिल मिश्रण है।

बीजेपी के पास मशीनरी है।

सपा के पास 2024 की रफ्तार है।

कांग्रेस को पुनर्जीवन चाहिए।

बसपा को पुनरुत्थान।

छोटी पार्टियों को मोलभाव की ताकत।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब केवट ने प्रभु श्रीराम से मांगी थी एक अनोखी गुरुदक्षिणा

रामायण के महासमर और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र से जुड़े कई प्रसंग ऐसे हैं जो सदियों से जनमानस की स्मृतियों में रचे-बसे हैं। वाल्मीकि रामायण से लेकर रामचरितमानस तक हर कथा का अपना एक अलौकिक विस्तार है। परंतु इन सबके बीच कुछ ऐसी क्षेपक कथाएं और लोक-प्रसंग भी प्रवाहित होते हैं जो मुख्य कथा से इतर एक सूक्ष्म दार्शनिक संदेश छोड़ जाते हैं। ऐसा ही एक अत्यंत मर्मस्पर्शी और अनसुना प्रसंग उस पावन वेला से जुड़ा है जब प्रभु श्रीराम ने गंगा पार करते समय केवटराज को अपनी चरण छुई उतराई चुकानी चाही थी।

घटना श्रृंगवेरपुर के समीप गंगा तट की है जब सीता और लक्ष्मण सहित श्रीराम को निषादराज के मित्र केवट ने अपनी नाव में बिठाकर सरयू की धारा पार कराई थी। यात्रा पूरी होने पर जब भगवान राम ने माता सीता के संकेत पर अपनी अंगूठी निकालकर केवट को उतराई के रूप में देनी चाही, तब उस साधारण नाविक ने हाथ जोड़कर पीछे हटते हुए एक ऐसा प्रस्ताव रखा जिसने तीनों लोकों के स्वामी को भी विचार में डाल दिया।

लोक-कथाओं और कुछ प्राचीन पाण्डुलिपियों के क्षेपक प्रसंगों में उल्लेख मिलता है कि केवट ने कोई भी स्वर्ण मुद्रा या बहुमूल्य रत्न लेने से स्पष्ट इंकार कर दिया था। उसने अत्यंत करबद्ध और भावुक स्वर में श्रीराम से कहा था– ₹हे प्रभु, आज आपने मुझे इस पार से उस पार उतारा है। संसार का यह नियम है कि उतरैया लेने वाला नाविक हमेशा लेने वाला होता है और पार जाने वाला देने वाला होता है। किंतु हे अंतरयामी, मैं भवसागर से पार उतरने का यह अवसर आपसे कैसे ले सकता हूँ? आज मैंने आपको उतारा है, लेकिन आने वाले समय में जब जीवन की मझधार में मैं फसूंगा, तब आपको ही मेरी नैया पार लगानी होगी।₹

जब श्रीराम ने उससे पूछा कि आखिर वह गुरुदक्षिणा या उतराई के रूप में क्या चाहता है, तब केवट ने मुस्कुराते हुए कहा– ₹प्रभु, यदि आप मुझे कुछ देना ही चाहते हैं, तो मुझे यह वरदान दीजिए कि जब मेरा अंतिम समय आए और मैं इस नश्वर संसार को छोड़कर जाऊँ, तब आप अपने इन दोनों चरणों को मेरे इसी हृदय पर रखकर मुझे परम गति प्रदान करें। आज मैंने आपकी चरणधूलि को अपनी नाव पर लिया है, तब मेरी नाव तर गई, उस दिन आप मेरे प्राणों की नैया को पार लगा देना।₹ भगवान श्रीराम उस निष्ठ और अनन्य भक्त के प्रेम को देखकर भावविभोर हो गए। उन्होंने आगे बढ़कर केवट को अपने गले से लगा लिया और उसे यह वचन दिया कि जब उसका समय आएगा, तब वे स्वयं उसके मार्ग की सारी बाधाएं दूर करेंगे। यह अनसुना प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि ईश्वर को पाने के लिए बड़े-बड़े कर्मकांडों या संपत्तियों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि केवट जैसी निर्मल और निष्काम भक्ति ही सबसे बड़ा धन होती है।

सड़क पर लौटता युवा: उम्मीद, आक्रोश और बदलाव की नई पुकार

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में युवा शक्ति की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। युवा केवल अपने भविष्य की चिंता करने वाला वर्ग नहीं, बल्कि समय-समय पर देश की राजनीति और सामाजिक व्यवस्था को नई दिशा देने वाला सक्रिय नागरिक भी रहा है। 1970 के दशक का छात्र-युवा आंदोलन हो, 1977 का व्यापक राजनीतिक परिवर्तन हो या 2011-13 का भ्रष्टाचार-विरोधी जनआंदोलन–हर दौर में युवाओं ने व्यवस्था से सवाल पूछे और बेहतर शासन की अपेक्षा व्यक्त की। आज जेन जी के बीच दिखाई दे रही बेचैनी को भी इसी लोकतांत्रिक परंपरा की निरंतरता के रूप में समझना चाहिए।

हालांकि 1977 और 2013 के आंदोलन अपने स्वरूप, परिस्थितियों और उद्देश्यों में अलग थे। 1977 का दौर लोकतांत्रिक अधिकारों की पुनर्स्थापना और राजनीतिक परिवर्तन की आकांक्षा से जुड़ा था, जबकि 2011-13 के आंदोलनों के केंद्र में भ्रष्टाचार, लोकपाल, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे प्रश्न थे। इन आंदोलनों ने भारतीय राजनीति को प्रभावित किया और अनेक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरने का अवसर मिला। उस समय आम नागरिक को उम्मीद थी कि राजनीतिक परिवर्तन के साथ शासन व्यवस्था भी अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनेगी।

एक दशक से अधिक समय बाद आज का युवा उन अपेक्षाओं का मूल्यांकन कर रहा है। यह कहना उचित नहीं होगा कि कुछ भी नहीं बदला। देश में डिजिटल सेवाओं का विस्तार, आधारभूत संरचना, सड़क, रेल, बिजली, इंटरनेट और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसी व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों तक सरकारी सहायता पहुंचाने का प्रयास किया है। भारत की अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रतिष्ठा में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इन उपलब्धियों को स्वीकार करना एक संतुलित मूल्यांकन के लिए आवश्यक है। लेकिन विकास का दूसरा पक्ष भी है। सड़क और एक्सप्रेसवे के साथ रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी देश की वास्तविक प्रगति तब मानी जाएगी, जब उसके युवा को अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर मिले, गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके और सामान्य नागरिक को गंभीर बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

युवाओं की सबसे बड़ी चिंता आज रोजगार और भविष्य की सुरक्षा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, सीमित सरकारी नौकरियां और निजी क्षेत्र में रोजगार की असुरक्षा ने बड़ी संख्या में युवाओं में निराशा पैदा की है। हर परीक्षा या भर्ती की घटना को व्यापक राजनीतिक संकट मानना उचित नहीं होगा, लेकिन ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से व्यवस्था पर विश्वास अवश्य प्रभावित होता है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और विश्वसनीय बनाया जाए।

उच्च शिक्षा भी गंभीर चुनौती है। देश में संस्थानों की संख्या बढ़ी है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच अभी भी सुनिश्चित नहीं हो सकी है। निजी उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत, प्रतियोगी परीक्षाओं की महंगी तैयारी और महानगरों में रहने का खर्च सामान्य परिवारों पर अतिरिक्त बोझ डालता है। शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता का सबसे प्रभावी साधन बनाना होगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी तस्वीर मिश्रित है। सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है और स्वास्थ्य बीमा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ी है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण और सस्ती चिकित्सा अभी भी अनेक परिवारों की चिंता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक सुविधाओं और पर्याप्त स्वास्थ्य ढांचे की कमी का समाधान अभी बाकी है।

इसी प्रकार अग्निवीर व्यवस्था और पेंशन का प्रश्न भी व्यापक सामाजिक विमर्श का विषय है। राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं और युवाओं के रोजगार तथा भविष्य की सामाजिक सुरक्षा–दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। इस विषय पर सरकार और युवाओं के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अधिक तथ्य आधारित संवाद होना चाहिए। जहां सुधार की आवश्यकता हो, वहां सरकार को सुधार करने में संकोच नहीं करना चाहिए और युवाओं को भी राष्ट्रीय सुरक्षा की व्यापक आवश्यकताओं को समझते हुए अपनी बात लोकतांत्रिक ढंग से रखनी चाहिए।

भ्रष्टाचार के प्रश्न पर भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। पिछले वर्षों में डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाओं, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और तकनीकी निगरानी ने भ्रष्टाचार के कुछ पारंपरिक रास्तों को कम किया है। फिर भी भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हुआ है। नागरिक को आज भी कई स्तरों पर अनावश्यक प्रक्रियाओं, देरी और जवाबदेही की कमी का सामना करना पड़ता है। लोकपाल, सिटीजन चार्टर, समयबद्ध सेवाएं और मजबूत शिकायत निवारण तंत्र जैसे विषयों को फिर से गंभीरता से देखने की आवश्यकता है।

इसी संदर्भ में 2013 के आंदोलन से निकली राजनीतिक ऊर्जा का मूल्यांकन भी आवश्यक है। आंदोलन में उठे प्रश्नों ने राजनीति को बदला, लेकिन कोई भी आंदोलन अपने आप में व्यवस्था परिवर्तन की गारंटी नहीं होता। सत्ता में आने के बाद संस्थागत सुधार, प्रशासनिक क्षमता और दीर्घकालीन नीतियां अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। इसलिए उस दौर से निकले नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके नारों से नहीं, बल्कि उनके शासन के वास्तविक परिणामों से होना चाहिए। यही कसौटी सभी राजनीतिक दलों और संगठनों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए।

आज की जेन जी की विशेषता यह है कि वह अधिक सूचनासंपन्न और डिजिटल रूप से जुड़ी हुई है। वह केवल भाषण सुनकर संतुष्ट नहीं होती। वह आंकड़े देखती है, अलग-अलग विचार सुनती है और सरकार तथा विपक्ष दोनों से सवाल पूछती है। सोशल मीडिया ने उसे अपनी बात रखने का मंच दिया है, लेकिन इसके साथ गलत सूचना, अतिरंजना और राजनीतिक ध्रुवीकरण की चुनौती भी बढ़ी है। इसलिए युवा असहमति व्यक्त करे, लेकिन तथ्य और संवैधानिक मयार्दा के साथ।

यहां छात्र संगठनों और युवा संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चाहे वे किसी भी विचारधारा से जुड़े हों, उनकी विश्वसनीयता इस बात से तय होगी कि वे सत्ता में अपने अनुकूल दल के सामने भी विद्यार्थियों के प्रश्न कितनी मजबूती से रखते हैं और विरोधी दलों के सामने भी कितनी निष्पक्षता बनाए रखते हैं। ह्यराष्ट्र प्रथमह्न हो या ह्यलोकतंत्र प्रथमह्न, उसका वास्तविक अर्थ तभी है जब नागरिक हित, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और संस्थागत जवाबदेही उसके केंद्र में हों।

आज सड़क पर उतरने वाले प्रत्येक युवा को सरकार विरोधी या राष्ट्र विरोधी मानना उतना ही अनुचित है, जितना प्रत्येक आंदोलन को स्वतः सही मान लेना। लोकतंत्र में सरकार को आलोचना सुननी चाहिए और आंदोलनकारियों को भी कानून, शांति और सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करना चाहिए। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी आवश्यक शक्ति है।

जेन जी के बाद जेन अल्फा का सार्वजनिक प्रश्नों के प्रति बढ़ता जुड़ाव आने वाले भारत का संकेत है। नई पीढ़ी केवल यह नहीं पूछेगी कि देश ने कितनी प्रगति की; वह यह भी पूछेगी कि उस प्रगति का लाभ उसके जीवन में कितना आया। वह बेहतर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पारदर्शी शासन और सुरक्षित भविष्य चाहती है।

इसलिए आज आवश्यकता किसी एक राजनीतिक दल, सरकार या विचारधारा को दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र की आत्मसमीक्षा की है। सरकारों को अपनी उपलब्धियों के साथ कमियों को भी स्वीकार करना चाहिए, विपक्ष को केवल विरोध नहीं बल्कि व्यवहारिक विकल्प प्रस्तुत करने चाहिए और युवा संगठनों को अपने वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर विद्यार्थियों और नागरिकों के वास्तविक प्रश्नों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

1977 और 2013 की पीढ़ियों ने अपने समय में व्यवस्था से प्रश्न पूछे थे। आज की पीढ़ी उन प्रश्नों के उत्तर और परिणाम चाहती है। उसकी बेचैनी को समझना और उसके प्रश्नों का संस्थागत समाधान करना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है। सड़क पर उठती युवा आवाज को व्यवस्था के विरुद्ध विद्रोह के रूप में नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 10 सितंबर 2026 गुरुवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है। जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु तथा देवगुरु बृहस्पति की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन भगवान विष्णु को पीले पुष्प केसर और बेसन के लड्डू का भोग लगाने तथा बृहस्पति के बीज मंत्र का जाप करने से जीवन में ऐश्वर्य ज्ञान सौभाग्य और अटूट समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मेष

आज आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर पूरे होंगे और कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। भगवान विष्णु के मंदिर में चने की दाल और गुड़ का दान करें जिससे आपके सभी वित्तीय मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष

आज आपको स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है और खानपान में संयम रखना होगा। आर्थिक मामलों में किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचें। केले के पेड़ की पूजा करें और उसमें जल अर्पित करें जिससे आपके जीवन की समस्त बाधाएं दूर होंगी।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक सोच से व्यापार में बहुत बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे और परिवार में किसी नए कार्य की रूपरेखा बनेगी। पीली वस्तुओं का सेवन करें और जरूरतमंद को पीले वस्त्र दान करें जिससे आपका भाग्य मजबूत होगा।

कर्क

आज पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी और माता-पिता के आशीर्वाद से आपके सभी अटके हुए काम बनेंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। भगवान विष्णु को तुलसी दल अर्पित करें जिससे आपके घर में अखंड समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज आपका आत्मविश्वास और पराक्रम बहुत ऊंचा रहेगा जिससे आप हर कठिन परिस्थिति पर आसानी से विजय पा लेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा और लोकप्रियता में जबरदस्त वृद्धि होगी। मस्तक पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं जिससे आपकी निर्णय क्षमता और तेज बढ़ेगा।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और कहीं से रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। विद्यार्थियों का मन अध्ययन में लगेगा और प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर विस्तार होगा।

तुला

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन बहुत अनुकूल रहेगा और उनकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। मित्रों के सहयोग से कोई बड़ा व्यावसायिक प्रोजेक्ट शुरू हो सकता है। मंदिर में चने की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपको वाहन चलाते समय और कार्यक्षेत्र में गोपनीयता बरतने की विशेष आवश्यकता है। व्यापार में किसी भी प्रकार के बड़े निवेश से पहले किसी विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। संकट नाशन स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी गुप्त शत्रु शांत होंगे।

धनु

आज आपकी राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति की कृपा से दांपत्य जीवन में अपार मधुरता और खुशहाली आएगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मन को शांति मिलेगी। गुरुजनों और बड़ों का आशीर्वाद लें जिससे आपके सभी रुके कार्य पूरे होंगे।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को अपने सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा और कार्यस्थल पर माहौल आपके अनुकूल रहेगा। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के योग बन रहे हैं। पक्षियों को पीले दाने या चने की दाल डालें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज संतान पक्ष से कोई अत्यंत सुखद और संतोषजनक समाचार मिलने से मन बहुत प्रफुल्लित रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और नए वित्तीय स्रोत सामने आएंगे। भगवान विष्णु के सम्मुख घी का दीपक प्रज्वलित करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और प्रखर होगी।

मीन

आज भूमि भवन या संपत्ति से जुड़े मामलों में कोई बड़ा फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। पारिवारिक माहौल बहुत आनंदमय रहेगा और परिजनों का स्नेह प्राप्त होगा। गाय को चने की दाल और गुड़ खिलाएं जिससे आपके घर परिवार में सुख और वैभव का स्थायी वास हो।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

गुरुवार के दिन भवन के ईशान कोण अथवा पूजा घर को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां हल्दी या पीले फूलों से रंगोली सजाने तथा शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा श्री हरि विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा से कभी भी धन धान्य की कमी नहीं होती है।

उटंगन नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर से तटवर्ती गांवों के लोगों की बढ़ी चिंता

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

उटंगन नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर से तटवर्ती गांवों के ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। बीते 24 घंटे में नदी का जलस्तर करीब दो फीट बढ़ने से प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। मंगलवार को निबोहरा पुलिस ने नदी किनारे पहुंचकर मार्गों और रपटों का निरीक्षण किया। साथ ही ग्रामीणों को नदी से दूर रहने की हिदायत दी। पुलिस ने भोगपुरा, नंदपुरा, भोगपुरा बाग समेत आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया। ग्रामीणों से नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी किनारे नहीं जाने और बच्चों को भी दूर रखने की अपील की गई। टोड़ा घाट उटंगन नदी पर बने रपट से आवागमन पर भी रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने रपटा पार कर नदी के दूसरी ओर जाने वाले लोगों को रोकने के लिए पुलिस की तैनाती की गई है। जलस्तर बढ़ने से किसानों को खेतों में पानी भरने और फसलों के नुकसान की आशंका सताने लगी है।उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने बताया कि बाढ़ चौकियों पर तैनात लेखपालों और पुलिस प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिकाओं और लाभार्थियों का सम्मान समारोह

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

मंगलवार को तहसील फतेहाबाद में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से ब्लॉक फतेहाबाद व शमसाबाद की आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिकाओं और लाभार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फतेहाबाद विधायक छोटेलाल वर्मा ने की। इस दौरान मुख्यमंत्री के अयोध्या से सीधे प्रसारित कार्यक्रम का भी लाइव प्रसारण देखा गया।

कार्यक्रम में विधायक छोटेलाल वर्मा और एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने चार गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कराई। इसके साथ ही क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में शमसाबाद की अनीता जैन, बड़ोबरा की सुशीला, रसूलपुर की लक्ष्मी, मीठपुरा की धर्मेंद्री, बांसबले की रेखा तथा अमूहकापुरा शमसाबाद की महावीरी शामिल रहीं। वहीं कुपोषण को मात देकर स्वस्थ हुए बच्चों और उनके अभिभावकों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्नप्राशन संस्कार के तहत सात माह की आयु पूरी कर चुके बच्चों को विधायक और एसडीएम ने खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं से बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। विधायक छोटेलाल वर्मा ने कहा कि बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने के लिए सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा,नितिन पंक्षी,योगेश चौहान, सीडीपीओ फतेहाबाद सरोज सिंह, सीडीपीओ शमशाबाद पूनम यादव, मोनिका ,ललिता यादव, आरती, दीपिका, स्वर्णलता, गरिमा आदि मौजूद रहे।

विद्या मंदिर ने लहराया जीत का परचम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

विद्या भारती की क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता भाऊराव देवरस सरस्वती विद्यालय नोएडा में संपन्न हुई और हर्ष का विषय है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही सरस्वती विद्या मंदिर कमला नगर आगरा के बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के साथ क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित किया। विकास, युवराज, राघव, अनमोल एवं विराट ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए मेरठ एवं उत्तराखंड की टीमों को पराजित कर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई इसी प्रकार विद्यालय की अंडर-14 बैडमिंटन टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसी क्रम में अंडर -14 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में कुशल एवं अनुभवी प्रशिक्षक सनी के निर्देशन में अंडर 14 ब्रॉज 8 खिलाड़ी, अंडर 17 ब्रॉज मेडल 10 खिलाड़ी ,अंडर 19 ब्रॉज मेडल 9 खिलाड़ियों ने पदक हासिल किए। ओवरऑल दोनों टीमों के 35 खिलाड़ियों ने 32 मेडल हासिल किये। गर्व का विषय है कि बास्केटबॉल में पांच खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए हैं। ।खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय की टीम अब आगामी राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। प्रतियोगिता का आयोजन नई दिल्ली 9 से 13 अक्टूबर 2026 तक होगी जिसके लिए टीम पूरी तैयारी और उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। टीम की उत्कृष्ट विजय पर विद्यालय के प्रबंधक श्री अमित अग्रवाल जी एवं समस्त प्रबंध समिति ने टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं । सफलता पर प्रधानाचार्य श्री अमित चतुवेर्दी ने भी टीम की सफलता की सराहना करते हुए भविष्य के लिए मंगल कामनाएं प्रदान कीं । ज्ञात रहे कि कुशल एवं अनुभवी प्रशिक्षक रोहित चौधरी के मार्गदर्शन में विद्यालय टीम पिछले चार साल से प्रांतस्तर एवं राष्ट्रीय स्तर तक विजय प्राप्त कर चुकी है ।

पोषण माह में प्रत्येक गर्भवती व धात्री माता का पोषण होगा सुनिश्चित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- जनपद में बुधवार से शुरू होगा नौवां राष्ट्रीय पोषण माह
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के जरिए विशेष अभियान में घर-घर पहुंचाया जाएगा पोषण का संदेश

नौवें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत पात्र गर्भवती एवं धात्री माताओं का पंजीकरण कराने के साथ ही उन्हें योजना का लाभ दिलाने पर जोर दिया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर पोषण के प्रति लोगों को जागरूक करेंगी और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की निगरानी करेंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार मौर्या ने बताया कि नौ सितंबर से नौ अक्टूबर तक नौवें राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेर्शों के क्रम में अभियान के दौरान पात्र गर्भवती और धात्री माताओं का विशेष पंजीकरण किया जाएगा। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर और संबंधित स्तर पर लंबित आवेदनों की लगातार समीक्षा कर पात्र लाभार्थियों के आवेदन सत्यापित कर अग्रसारित किए जाएंगे। लाभार्थियों को योजना का लाभ आसानी से मिल सके, इसके लिए आधार कार्ड का बैंक खाते और एनपीसीआई से लिंकेज सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया गया है। इसके अलावा योजना की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा, मां का पोषण मजबूत होगा तो बच्चे का भविष्य सुरक्षित होगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कुपोषण पर रोक लगाने के लिए पोषण संबंधी संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों की नियमित निगरानी करने के साथ परिवारों को संतुलित आहार और पोषण के प्रति जागरूक करेंगी। योजना से लाभान्वित महिलाओं की सफलता की कहानियां और वीडियो भी संकलित किए जाएंगे।

अछनेरा में दो पक्षों में मारपीट, 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

थाना अछनेरा क्षेत्र में बीती रात करीब 11 बजे भरतपुर रोड स्थित पहाड़ लाइन पर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर नामजद लोगों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार मुकदमे में शिव शंकर, अर्जुन, जितेंद्र, गोविंद, धीरज, कैलाश, ज्योति, राधा, प्रियंका, मदन और जितेंद्र के नाम शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी विजय चंदेल ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुर्जा वाले हनुमान मंदिर से गेट काटकर लाखों रुपये की दान पेटी चोरी

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

अछनेरा-फरह मार्ग स्थित प्रसिद्ध बुर्जा वाले हनुमान मंदिर में सोमवार देर रात चोरों ने धावा बोलकर पीछे से लोहे का गेट काटकर लाखों रुपये की दान राशि से भरी पेटी चोरी कर ली। मंदिर के बाबा केदारनाथ के अनुसार, दान पेटी में करीब तीन माह से रखी जमा राशि लगभग 1 लाख रूपए के आसपास श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई राशि जमा थी। चोरी की घटना रात करीब तीन बजे के बीच की बताई जा रही है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में तीन संदिग्ध चोर दिखाई दे रहे हैं। बताया गया कि चोरों ने पहले सीसीटीवी कैमरे पर कपड़ा डाल दिया और इसके बाद मंदिर में रखी दान पेटी को उठाकर ले गए। वारदात के दौरान चोरों ने मुंह ढक रखा था। चोरी करने के बाद दान पेटी को मंदिर के पीछे खेत में फेंक दिया गया, जबकि उसमें रखी नकदी निकाल ली गई। घटना की जानकारी सुबह होने पर मंदिर प्रबंधन को हुई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, मंदिर में चोरी की यह पांचवीं वारदात है। पूर्व की घटनाओं का खुलासा नहीं होने से श्रद्धालुओं और मंदिर प्रबंधन में रोष है। लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

समन और चालान मामलों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर

जिला जज संजय कुमार मलिक की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक

- पेटी ऑफेन्स और मोटर वाहन अधिनियम के चालानों के त्वरित निस्तारण के दिए गए निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के दिशा-निदेर्शों के क्रम में आगरा में पेटी ऑफेन्स और विशेष रूप से मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत लंबित चालानों के प्रभावी व समयबद्ध निस्तारण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय कुमार मलिक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चालानों में वाहन चालक का पूरा विवरण, मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी सूचनाएं सही दर्ज करने के साथ-साथ समन व नोटिस की प्रभावी तामीली पर विशेष जोर दिया गया।

विश्राम कक्ष में आयोजित इस बैठक में न्यायपालिका और प्रशासनिक के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पंकज कुमार-क, न्यायिक मजिस्ट्रेट अक्षिता सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, डीसीपी क्राइम हिमांशु गौरव और डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार शामिल रहे।

बैठक के दौरान ई-चालानों को वर्चुअल कोर्ट या न्यायालय में स्थानांतरित किए जाने के बाद जुमार्ने के ऑनलाइन भुगतान, पुलिस व न्याय विभाग के बीच बेहतर तालमेल तथा लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर विस्तार से चर्चा की गई। जनपद न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उच्च न्यायालय के निदेर्शों का पूरी सख्ती से पालन किया जाए, ताकि आम जनता को सुगम न्यायिक प्रक्रिया और त्वरित न्याय का लाभ मिल सके।

दिव्यांगजनों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- 26 को बल्केश्वर आईटीआई में लगेगा दिव्यांगजन रोजगार मेला
- अठारह से पैंतालीस वर्ष की आयु के युवा उठा सकते हैं लाभ, साथ लाने होंगे शैक्षिक अभिलेख और रिज्यूम

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आगरा के बल्केश्वर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में एक दिवसीय दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला आगामी 26 सितंबर 2026 को आयोजित होगा, जिसमें जिले के दिव्यांग युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

जिला समन्वयक (उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन) ने जानकारी दी है कि इस रोजगार मेले में जनपद आगरा के 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के सभी इच्छुक और पात्र दिव्यांगजन लाभार्थी हिस्सा ले सकते हैं।

मेले में भाग लेने आने वाले अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल शैक्षिक अभिलेख (डॉक्यूमेंट्स) और अपना अपडेटेड रिज्यूम (बायोडेटा) साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने जनपद के सभी पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर समय से पहुंचकर इस मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

एम्बुलेंस प्रकरण में प्रशासन का कड़ा खंडन, बताया भ्रामक दावा

जैतपुर कलां एम्बुलेंस मामले में सामने आई सच्चाई

- प्रसूता के दो घंटे फंसे होने का दावा निकला पूरी तरह भ्रामक, एसडीएम बाह ने जारी की तथ्यात्मक रिपोर्ट

आगरा। जैतपुर कलां क्षेत्र में एक गर्भवती महिला को ले जा रही 108 एम्बुलेंस के सड़क खराब होने के कारण दो घंटे तक फंसे रहने की वायरल खबरों को प्रशासन ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। उप जिला मजिस्ट्रेट बाह और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी तथ्यात्मक रिपोर्ट के अनुसार, एम्बुलेंस के दो घंटे तक रास्ते में फंसे रहने की बात पूरी तरह असत्य और निराधार है।

क्या है पूरी घटना का वास्तविक सच?

प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 2-3 सितंबर की मध्यरात्रि करीब 1:30 बजे 108 एम्बुलेंस को सूचना मिली थी, जिसके बाद बिना किसी देरी के गाड़ी को रवाना किया गया। भारी बारिश के चलते घर की तरफ जाने वाला पुराना रास्ता थोड़ा क्षतिग्रस्त जरूर हो गया था, लेकिन इसके बावजूद चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए केवल 15 से 20 मिनट के मामूली विलंब के साथ रात्रि 3:05 बजे प्रसूता को जैतपुर कलां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उल्रउ) पहुंचा दिया।

सीएचसी में सामान्य थी स्थिति, परिजन स्वेच्छा से ले गए थे निजी अस्पताल

अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने तुरंत महिला को भर्ती किया। प्रारंभिक जांच में जच्चा और बच्चा दोनों की स्थिति पूरी तरह सामान्य व स्थिर पाई गई थी, क्योंकि उस समय प्रसव की अग्रिम अवस्था नहीं आई थी। इसके बाद सुबह करीब 5:00 बजे परिजन अपनी मर्जी से मरीज को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां प्रसव के दौरान दुर्भाग्यवश बच्चा जीवित नहीं बच सका। प्रशासन ने साफ किया है कि न तो इलाज में कोई लापरवाही हुई और न ही एम्बुलेंस घंटों तक रास्ते में फंसी रही।

लोक निर्माण विभाग ने ठीक कराई सड़क, जांच भी गठित

घटना के बाद लोक निर्माण विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग की तुरंत मरम्मत करवा दी है। साथ ही पूरे मामले की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक जांच भी बिठाई गई है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसी भ्रामक और असत्य खबरों पर ध्यान न दें।

स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित गांवों में लगाया कैंप

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

- चिकित्सकीय परीक्षण उपरांत 168 मरीजों को वितरित की दवाएं

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पिनाहट ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित गांव टोड़ा में स्वास्थ्य कैंप लगाकर 168 मरीज का चिकित्सकीय परीक्षण कर ग्रामीणों निशुल्क दवाएं वितरण की।

जानकारी के अनुसार पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत उटंगन नदी में भयंकर बाढ़ आई हुई है। बाढ़ के चलते नदी के किनारे के करीब तीन दर्जन से अधिक गांव प्रभावित हुए है।जिससे के किनारे की फसलों में बाढ़ का पानी भर गया है। फसले जलमग्न हो चुकी है। संपर्क मार्ग में बाढ़ का पानी भर गया है।जिससे उटंगन नदी के किनारे के गांव वहीं गांव टोडा, सियापुरा,शाहपुर खालसा,सेरव,मनोना,बीधापुरा में लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट अधीक्षक डॉक्टर प्रमोद कुशवाहा के नेतृत्व में

स्वास्थ्य विभाग की टीम बाढ़ प्रभावित गांव टोड़ा पहुंची। शाहपुर खालसा में कैंप लगाया। कैंप लगाकर मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब 168 ग्रामीणों का स्वास्थ्य चेकअप किया।जिसमें 77 मरीज को बुखार के लक्षण मिले है।उसके उपरांत जुखाम,खांसी और बुखार के मरीजों को निशुल्क दवाएं वितरण की।वहीं इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि अपने बच्चों को गंदे पानी से दूर रखें, बदन पर पूरे कपड़े पहने, घर के बाहर पानी जमा न होने दें।वही किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर सरकारी अस्पताल पहुंचे।

युवक को रास्ते में रोककर मारपीट, वीडियो वायरल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र में ऑटो सवार युवक को रास्ते में रोककर मारपीट की गई, मारपीट करते हुए घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव गुबरौठ निवासी अनिल पुत्र राधेश्याम ने थाने में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि गांव के युवक से पूर्व में कहासुनी हो गई थी मंगलवार दोपहर आकर युवक गाली गलौज करने लगा विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट की गई। वहीं मंगलवार शाम घटना की शिकायत करने थाने जा रहा था तभी रास्ते में तीन-चार बाइकों

पर आए लोगों ने रास्ते में रोककर ऑटो चालक युवक को रास्ते में रोककर बेरहमी से मारपीट की गई पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान ऑटो में रखे पैसे भी छीन लिए और ऑटो को भी अपने साथ ले जाने लगे। घटना की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। युवक के साथ मारपीट कर रहे लोगों का वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं घटना में पति-पत्नी का विवाद बताया जा रहा है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

वृंदावन में कैनवास पर साकार हो रही राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाएं

देशभर के प्रख्यात चित्रकार रंग और तूलिका से उकेर रहे ब्रज की भक्ति, प्रेम और संस्कृति

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

बाँकेबिहारी जी की नगरी वृंदावन में इन दिनों कैनवास पर ब्रज की भक्ति, प्रेम और संस्कृति के रंग बिखर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रख्यात चित्रकार भगवान श्रीकृष्ण और राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं को रंग और तूलिका के माध्यम से कैनवास पर साकार कर रहे हैं। कलाकारों को श्रीकृष्ण की लीलाओं को चित्रों में ढालते हुए देखने के लिए कला प्रेमी और स्थानीय लोग भी गीता शोध संस्थान पहुंच रहे हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तत्वावधान में वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय ह्यश्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026ह्ल का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। शिविर

में विभिन्न राज्यों से आए चित्रकार अपनी-अपनी विशिष्ट कला शैलियों में श्रीकृष्ण की लीलाओं, राधा-कृष्ण के प्रेम और ब्रज की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को कैनवास पर उकेर रहे हैं।

शिविर के दौरान कलाकारों को सामने बैठकर चित्रों को आकार देते देखना अपने आप में लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कोई कलाकार रंगों के माध्यम से राधा-कृष्ण के प्रेम को अभिव्यक्त कर रहा है तो कोई श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और ब्रज के प्राकृतिक सौंदर्य को कैनवास पर उतार रहा है। चित्रों के आकार लेने की पूरी प्रक्रिया को देखने के लिए

कलाकारों की सृजन प्रक्रिया देखने गीता शोध संस्थान पहुंच रहे कला प्रेमी

पहुंच रहे लोग कलाकारों से उनकी कला और चित्रों की विषय-वस्तु के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं।

शिविर में पद्मश्री शांति देवी (मधुबनी) के अलावा डॉ. अलका झा (इंदौर), डॉ. बंदना जोशी (नाथद्वारा), डॉ. पूनम रानी (अलीगढ़), नीतिक्षा डावर (दिल्ली), डॉ. खुशबू उपाध्याय (गाजियाबाद), सुश्री नेहा (लखनऊ), मनजीत कौर (चंडीगढ़), डॉ. अलका मनीष पाठक (सीहोर), सोमा आनंद (पटना), विनीता सिंह (पटना), विनीता शर्मा (जयपुर), कंचन प्रकाश (ग्रेटर नोएडा), सुमित्रा अहलावत (दिल्ली), सुमन डोंगरे (उज्जैन), प्रिंस राज (मेरठ), विनोद कुमार सिंह (लखनऊ), जयेश त्रिवेदी (उज्जैन) तथा ललित कला अकादमी, आगरा के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह (आगरा) प्रतिभाग कर रहे हैं।

शिविर के संयोजक एवं गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने बताया कि शिविर में 20 चित्रकार जो विभिन्न प्रदेशों से आए हैं उनकी चित्रांकन लगभग पूर्ण है। 9 सितंबर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। 10 सितंबर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी तीन दिवसीय इस कला शिविर के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक चित्रकला के माध्यम से संरक्षित एवं प्रदर्शित करने का प्रयास किया जा रहा है।

राधाष्टमी प्रवेश व निकास तय सुरक्षा व्यवस्था हुई दुरस्त

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

बरसाना में 18 और 19 सितंबर को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक राधा अष्टमी उत्सव को लेकर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने चाक-चौबंद व्यवस्था की मंगलवार को डाक बगले में बैठक में राधाष्टमी के दौरान कस्बा बरसाना में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन और सुरक्षित दर्शन/व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं ।

प्रवेश व्यवस्था

राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए श्रीजी गेट और लाडो गेट (दोनों तरफ की छोटी व बड़ी सीढ़ियों) से व्यवस्था की गई है ।

निकास मार्ग

दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं की निकासी केवल एक दिशा में जयपुर मंदिर की तरफ से होगी ।

क्राउड मैनेजमेंट

भीड़ के सुचारू संचालन के लिए बॉक्स फॉर्मेशन में श्रद्धालुओं का मूवमेंट कराया जाएगा ।

सुरक्षा तैनाती

संपूर्ण मेला क्षेत्र को विभिन्न जोन व सेक्टर में विभाजित कर प्रशासनिक एवं पुलिस बल का व्यापक स्तर पर डेप्लॉयमेंट किया जाएगा ।

गोष्ठी के उपरांत अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का स्थली निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी कल्पना बाजपेई और प्रभारी निरीक्षक थाना बरसाना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे ।

डौकी पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। डौकी पुलिस ने मंगलवार को तीन वारंटी को गिरफ्तार किया।तीनों को न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष डौकी सुनीत शर्मा ने बताया कि मंगलवार को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि काफी समय से न्यायालय में अनुपस्थित चल रहे वारंटी राजू पुत्र प्यारे लाल, महेश पुत्र शौकीन सिंह, प्रेम सिंह पुत्र शौकीन सिंह निवासीगण कौलारा कलां थाना अपने घर पर मौजूद हैं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेजा गया। पकड़ने वाली टीम में थानाध्यक्ष सुनीत शर्मा, अरविंद पिलानिया, आरक्षी संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

ब्रास बैण्ड में श्री कृष्ण चंद्र गाँधी विद्या मंदिर,व हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती प्रथम

जनपद स्तरीय स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता 2026 का आयोजन सम्पन्न

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

'राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा लखनऊ के अनुपालन में जनपद स्तरीय स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता-2026 का आयोजन परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर, वृंदावन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि शिवेन्द्र गौतम, प्रबंधक महोदय द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। निर्णायक के रूप में विजय बंटा, घोष प्रमुख रहे।

प्रतियोगिता में जनपद के 05 विद्यालयों - परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर, हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्यालय, रतन लाल फूल कटोरी सीनियर स्कूल, श्री कृष्ण चंद्र गाँधी

विद्या मंदिर एवं पीएम श्री राजकीय विद्यालय की टीमों ने प्रतिभाग किया।

नोडल अधिकारी डॉ. कविता सक्सेना द्वारा प्रतियोगिता के नियमों एवं उद्देश्यों के बारे में बताया गया तथा डॉ. श्याम सुंदर, जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा

ब्रास बैण्ड वर्ग में -

प्रथम स्थान (बालक वर्ग) - श्री कृष्ण चंद्र गाँधी विद्या मंदिर,

प्रथम स्थान (बालिका वर्ग) - हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्यालय, वृंदावन रहे।

विजेता दोनों टीमों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता (21-30 सितम्बर 2026) हेतु किया गया है। विजेता टीमों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन आयोजक प्रधानाचार्य विपिन कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

विद्युत केबल डालने को लेकर झगड़ा ,तीन घायल

पिनाहट। थाना पिढौरा क्षेत्र के गांव रीठई में विद्युत पोल से केबल डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें एक पक्ष ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हुए हमला कर दिया जिसमें एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रीठई निवासी विनेश ने बताया कि सोमवार देर रात वह अपने घर के बगल लगे विद्युत पोल से अपनी केबल सही कर रहा था। इसी दौरान पड़ोस के दो युवक वहां पहुंच गए ।और केबिल डालने का विरोध करने लगे। जिसके बाद दोनों आरोपितों ने विनेश, उनके भाई रामनिवास और पत्नी रजनी पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिसमे रामनिवास ,दिनेश और रजनी देवी बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पिनाहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया।पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई में जुटी है।

कूड़ा संग्रहण वाहनों पर तैनात कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

नगर आयुक्त के निर्देश पर गठित समिति ने की कर्मचारियों से वार्ता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहनों पर तैनात कर्मचारियों द्वारा समान मानदेय एवं माह में 30/31 दिनों का मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर की जा रही हड़ताल को समाप्त कराने के लिए नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार आज नगर निगम द्वारा गठित आठ सदस्यीय समिति ने कर्मचारियों के प्रतिनिधियों एवं ड्राइवर-हेल्परों के साथ वार्ता की।

समिति की अध्यक्षता अपर नगर आयुक्त श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा की गई। समिति के सदस्यों ने डीग गेट के निकट दारेसी रोड स्थित नगर निगम गैराज में पहुंचकर कर्मचारियों के प्रतिनिधियों एवं डोर-टू-डोर वाहनों पर तैनात ड्राइवर-हेल्परों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान कर्मचारियों की मांगों एवं उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना गया तथा संबंधित विषय पर आवश्यक चर्चा की गई।

नगर आयुक्त द्वारा पूर्व में गठित आठ सदस्यीय समिति को कर्मचारी हित एवं नगर निगम के हित को ध्यान में रखते हुए नियमों के अनुरूप प्रकरण के सभी पहलुओं का परीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में समिति द्वारा कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर उनकी मांगों एवं समस्याओं को समझा गया।

वार्ता के दौरान कर्मचारियों एवं उनके प्रतिनिधियों से सकारात्मक चर्चा हुई, जिसके पश्चात डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहनों पर तैनात कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल समाप्त की तथा कार्य पर लौटने का निर्णय लिया।

नगर निगम द्वारा कर्मचारियों की मांगों के संबंध में गठित समिति द्वारा नियमानुसार आवश्यक परीक्षण एवं कार्यवाही की जा रही है। समिति द्वारा निर्धारित यथा शीघ्र रिपोर्ट नगर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की कोशिश का आरोपी गिरफ्तार

पिनाहट। थाना पिनाहट पुलिस ने मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम झोरियन में तालाब के समीप खोह से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को मुकदमा वादी मुकेश कुमार ने थाने में तहरीर दी थी। आरोप था कि 17 नवंबर की शाम करीब 4:45 बजे कुछ लोग उसके घर में घुस आए और परिवार के लोगों के साथ मारपीट करते हुए कुल्हाड़ी और तलवार से जान से मारने की नीयत से वार किए। घटना में परिवार के सदस्यों को गंभीर चोटें आई थीं। मामले में पुलिस ने मु0अ0सं0 150/25 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इसमें धर्मेंद्र पुत्र पप्पू उर्फ बाबा समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था। मंगलवार को थाना पिनाहट पुलिस क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र पुत्र पप्पू उर्फ बाबा निवासी ग्राम पूरा नत्था, झोरियन, थाना पिनाहट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक वीरेश पाल गिरि, उपनिरीक्षक गोपाल पवार और हेड कांस्टेबल राहुल रोशा शामिल रहे।

हाईवे जाम करने वाले 18 नामजद व 50-60अज्ञात लोगों के विरूद्ध केस दर्ज

सैंया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्वालियर हाईवे स्थित सिकंदरपुर गांव पर रविवार की शाम सड़क हादसे में महिला की हुई मौत पर लोगों द्वारा हाईवे जाम लगाने वालों के विरूद्ध पुलिस ने कड़ा रूख अपनाते हुए 18 नामजद व 50-60 अज्ञात लोगों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। रविवार की शाम 4:45 बजे नगला चोबनिया निवासी किशन सिंह अपनी पत्नी गुड्डी देवी के साथ बाइक द्वारा इटौरा से रिश्तेदार को देख कर अपने गांव वापिस लौट रहे थे कि सिकन्दरपुर गांव के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी थी जिससे गुड्डी देवी की मौके पर ही मौत हो गयी थी तभी आक्रोशित लोगों ने ग्वालियर हाईवे पर शव रख कर जाम लगा दिया था । जाम के दौरान लोग जाम में फंस गए थे । पुलिस ने कड़ा रूख अपनाते हुए जाम लगाने वाले लोगों को चिन्हित कर 18 नामजद सहित 50-60 अज्ञात के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

नालियों की निकासी नहीं, जलभराव से गांव में नारकीय हालात

खेरागढ़। तहसील क्षेत्र के गांव बम नई कलां में जलभराव और गलियों में पक्का खड़ंजा नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दर्जनभर ग्रामीणों ने एसडीएम नरेंद्र गंगवार को शिकायत देकर समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की नालियों के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। बारिश के बाद पानी गलियों में भरने से कीचड़ और गंदगी की स्थिति बनी हुई है। वहीं गलियों में आरसीसी नहीं होने से आवागमन भी मुश्किल हो रहा है। कई दिनों तक पानी जमा रहने से मच्छर और अन्य कीट पनप रहे हैं, जिससे संचारी रोग फैलने की आशंका बनी हुई है। शिकायतकर्ताओं कैलाशी, बच्चू, रणवीर, रामकुमार और कुंवरसेन समेत ग्रामीणों ने नालियों की निकासी दुरुस्त कराने और गलियों में पक्का खड़ंजा अथवा आरसीसी कराने की मांग की है।

बिहारी जी की शरण में पासवान

मथुरा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण और उद्योग मंत्री व लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख चिराग पासवान सोमवार देर शाम सपरिवार वृंदावन पहुंचे। उनके साथ मां रीना पासवान और बहन आशा पासवान भी मौजूद रहीं। सुरक्षा कारणों से स्थानीय प्रशासन को उनके आगमन की सूचना ऐन वक्त पर दी गई। बांके बिहारी मंदिर में सेवायतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई।

राधाष्टमी पर्व की तैयारियों के जुटा प्रशासन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

तहसील गोवर्धन के नगर पंचायत बरसाना में आयोजित विश्व प्रसिद्ध श्री राधाष्टमी पर्व की तैयारियों के संबंध में लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि मेला से पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। सभी व्यवस्थाओं को ससमय पूर्ण करते हुए मेले का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों को सुदृढ़ सुविधाएं उपलब्ध कराना पुलिस-प्रशासन की प्राथमिकता है।

एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें तथा श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार करे। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी एवं पीए सिस्टम की दोबारा जांच करले। सभी सीसीटीवी संचालित होने चाहिए तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम से सभी क्षेत्रों की निगरानी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया तथा शरारती लोगों पर पैनी नजर बनाए रखे।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन

ने पार्किंग, बैरियर, बैरिकेडिंग, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश, भंडारे आदि की समीक्षा की। बैठक के पश्चात अधिकारियों द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

बैठक में चेयरमैन प्रतिनिधि, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत राज विभाग आदि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 12 हजार, सहायिकाओं को 6 हजार मानदेय,5 लाख तक स्वास्थ्य बीमा की सुविधा का भी ऐलान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, खेरागढ़।

बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा तहसील सभागार खेरागढ़ में स्थानीय विधायक की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं एवं विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकत्रियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तहसीलदार सुरभि राय ने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।तहसीलदार ने कहा कि देश के भविष्य बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और समुचित विकास में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उनके प्रयासों से ही पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं।वहीं विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें मानदेय वृद्धि की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार उनके योगदान को सम्मान देने और उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की उपस्थिति रही।

अछनेरा थाने में 44 वाहनों की नीलामी, 2.56 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त

अछनेरा। माननीय न्यायालय एवं डीसीपी के आदेश के अनुपालन में मंगलवार को थाना अछनेरा परिसर में वाहनों की नीलामी कराई गई। नीलामी के दौरान कुल 44 वाहनों को नीलाम किया गया।

नीलाम किए गए वाहनों में 40 मोटरसाइकिल, एक डीसीएम, दो कार और एक ऑटो शामिल रहे। इन वाहनों की नीलामी से कुल 2 लाख 56 हजार रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। वाहनों की सरकारी बोली 1 लाख 8 हजार 300 रुपये निर्धारित थी।

नीलामी में पंजीकृत व्यापारी ताज कुरैशी पुत्र इकबाल कुरैशी, निवासी मोहल्ला टोला, शमशाबाद द्वारा सर्वाधिक बोली लगाई गई। प्राप्त राशि पर 18 प्रतिशत जीएसटी अलग से देय होगा।

नीलामी की प्रक्रिया एसीपी अछनेरा शैलेंद्र सिंह की मौजूदगी में संपन्न कराई गई। अधिकारियों की निगरानी में पूरी प्रक्रिया नियमानुसार कराई गई।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और लाभार्थियों का हुआ भव्य सम्मान, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में मुख्यमंत्रीजी की अध्यक्षता में आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों और उत्कृष्ट अधीक्षिकाओं के सम्मान एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मथुरा के कलेक्ट्रेट सभागार में देखा व सुना गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र और प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी समेत जनपद की तमाम आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग तथा महिला कल्याण विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित करना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाना था।

गौरतलब हो कि पिछले 3 महीनों में अपने क्षेत्र से सबसे अधिक सैम (एसएएम) बच्चों का संदर्भन एनआरसी को करने वाली 11 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों (सर्वेश, ओमवती, पुष्पा, कमलेश देवी, अर्चना, लज्जावती, सुनीता, लक्ष्मी, राजकुमारी, आशा रानी और आशा) को आज सम्मानित किया गया। वहीं अपने कार्यों में सराहनीय योगदान देने वाली 11 कार्यकत्रियों (सीमा, कांती, नीतू, भगवती, नीलम, बबीता, रीता कुलश्रेष्ठ, बबीता, रेशमा, आशा रानी और आरती) को भी सम्मानित किया गया। वहीं सैम श्रेणी से निकलकर सुपोषित श्रेणी प्राप्त करने वाले बच्चों (प्रियांशी, काजल, आरव, पूर्वी, आकाश, सिद्धार्थ, दर्शिता, समीर, दिव्यांशी, अंजली और विमांशु) के माता-पिता का सम्मान किया गया। सुशीला, रितु, मेघा, दिव्या, स्नेहा, रूचि गौतम, देवकी, भूरी व कु. रीना मिश्रा सहित अन्य नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं साड़ियों का वितरण किया गया। निराश्रित महिला पेंशन योजना (श्रीमती आरती व श्रीमती लक्ष्मी देवी), मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कु० नव्या, विराज, राज व यश) तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (जान्हवी व सौम्या) के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

कलेक्ट्रेट के साथ-साथ जनपद की सभी तहसीलों में भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें गोवर्धन के विधायक मेघश्याम सिंह ठाकुर सहित उनके क्षेत्र के 120 लोग तथा मांट विधान सभा से 250 लोगों सहित विधायक राजेश चौधरी, वहीं बलदेव विधानसभा से 130 लोगों सहित विधायक पूरन प्रकाश सिंह तथा छाता विस से 250 लोग सहित प्रतिनिधि नरदेव चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उपस्थित लोगों को उनका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

15 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षिका को अश्रुपूरित विदाई, दिल्ली के लिए हुईं रवाना

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

बीएस डायनामिक विद्यालय में मंगलवार को एक भावुक क्षण देखने को मिला, जब विद्यालय परिवार ने अपनी वरिष्ठतम शिक्षिका स्मिता जैन को अश्रुपूरित नेत्रों से भावभीनी विदाई दी। शिक्षिका स्मिता जैन ने विद्यालय में लगातार 15 वर्षों तक अपना अमूल्य योगदान दिया। कासगंज से दिल्ली शिफ्ट होने के कारण आज विद्यालय में उनका अंतिम कार्यदिवस रहा।

विदाई समारोह के दौरान विद्यालय का माहौल बेहद भावुक हो गया। सहयोगियों ने उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और शिक्षण के प्रति उनकी निष्ठा को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर रामचंद्र सिंह, अनीता सक्सेना, अरविंद कुमार सिंह, हेमा पांडेय, सुविता सिंह, करण सिंह, प्रमोद कुमार, चंदन भारद्वाज, अवनी मेहरा, अमित कुमार दुबे, श्वेता गुप्ता, अंजना पाठक, ऋतुराज सिंह, गौरव शर्मा, सुमनलता, अनीता भारद्वाज, अमित सक्सेना, आरती कश्यप, राधा वर्मा, सुभाष चंद्र गुप्ता, सारिका माहेश्वरी, ज्योति पल्तानी, गिरिजा सिंह, मनीषा दीक्षित, संगीता, सपना वर्मा, दीपा राघव, दीप्ति राठी, मोहित पल्तानी, नंद किशोर, पंकज कुमार, सुनील कुमार, अंशुल वर्मा, चंचल गुप्ता, रामनरेश, एलिश सहाय, पूजा, सारांश पुन्ढ़ीर, प्रेम किशोर गोयल, अल्तमश कुरैशी, राजीव कुमार, आयुषी राजपूत, वर्तिका, रितु वार्ष्णेय, सुरभि उपाध्याय, हर्षिता चौहान, शिवानी, अलका रानी, रुचि शर्मा, राधे मोहन, नमन गुप्ता, प्रतीक्षा शर्मा, हर्षित वर्मा, मानसिंह, विनीत, चंद्रपाल, सुनीता, राजवती, मोहरश्री, शीला, भगवान सिंह, जसवंत एवं रामेश्वर सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

जनपद के इतिहास, पौराणिक विरासत एवं 115वें श्री दाऊजी महाराज लक्खी मेले की भव्यता अब सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचेगी देश-दुनिया तक

जिलाधिकारी अतुल वत्स ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ की बैठक, उत्कृष्ट वीडियो और कंटेंट बनाने वालों को मिलेगा पुरस्कार

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

जिलाधिकारी अतुल वत्स ने कलेक्ट्रेट सभागार में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर जनपद हाथरस के इतिहास, पौराणिक विरासत, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों तथा आगामी 115वें राजकीय श्री दाऊजी महाराज लक्खी मेले की विशेषताओं को व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित किए जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि हाथरस का गौरवशाली इतिहास, यहां की पौराणिक एवं ऐतिहासिक कथाएं, सांस्कृतिक विरासत तथा श्री दाऊजी महाराज का प्रसिद्ध लक्खी मेला जनपद की विशिष्ट पहचान है। इनसे जुड़ी अनसुनी और रोचक कहानियों को आधुनिक डिजिटल माध्यमों के जरिए देश-दुनिया तक पहुंचाने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने सभी इन्फ्लुएंसर्स से अपील की कि वे जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर उच्च गुणवत्ता, तथ्यपरक एवं आकर्षक वीडियो तैयार कर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

उत्कृष्ट कंटेंट बनाने वालों को मिलेगा सम्मान

जिलाधिकारी ने बताया कि इस पहल को प्रोत्साहित करने के लिए वीडियो एवं कंटेंट प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता में जनपद के इतिहास, पौराणिक कथाओं, सांस्कृतिक विरासत एवं श्री दाऊजी महाराज लक्खी मेले को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने वाले उत्कृष्ट कंटेंट का चयन किया जाएगा।

चयनित प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कार्य करने वाले प्रथम स्थान के प्रतिभागी को जिला प्रशासन की ओर से विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) ने 115वें श्री दाऊजी महाराज लक्खी मेले को भव्य, दिव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। साथ ही मेले के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर उपस्थित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं उनकी टीम के सदस्यों ने अपने विचार और महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए तथा जिला प्रशासन की इस पहल में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बैठक में प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, जिला सूचना अधिकारी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, नगर पालिका परिषद हाथरस के अधिकारी एवं प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स उपस्थित रहे।

10 साल से चकमा दे रहा कासगंज लूटकांड का इनामी शातिर गिरफ्तार, पैतृक संपत्ति बेचकर हो गया था फरार

जीआरपी पुलिस की बड़ी कामयाबी: मैनगेट से दबोचा गया 10 मुकदमों वाला अ-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर जीतू गुप्ता

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

वर्ष 2016 में कासगंज रेलवे स्टेशन पर एक सराफा व्यापारी को गोली मारकर जेवरात का थैला व 78 हजार रुपये लूटने वाले शातिर व फरार वारंटी को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बीते 10 वर्षों से अदालत में गैर-हाजिर चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी पैतृक संपत्ति बेचकर ठिकाने बदल-बदल कर छिप रहा था। जीआरपी कासगंज पुलिस ने मंगलवार की सुबह घेराबंदी कर आरोपी को कासगंज रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार से धर दबोचा।

जीआरपी थानाध्यक्ष कोमल कुन्तल ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वांछित व इनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत यह सफलता मिली है। पकड़ा गया अभियुक्त जीतू गुप्ता (35 वर्ष) पुत्र सुशील गुप्ता, निवासी मोहल्ला लवकुश नगर कस्बा व थाना कोतवाली कासगंज है।

10 वर्षों से ठिकाने बदलकर चल रहा था फरार

पुलिस के मुताबिक, आरोपी जीतू गुप्ता ने वर्ष 2016 में कासगंज स्टेशन पर ट्रेन यात्री सह सराफा व्यापारी पर जानलेवा हमला कर लूट की वारदात 2016 को अंजाम दिया था। इसके बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था। प्रथम अपर सिविल जज (जूनियर डिविजन) कासगंज की अदालत से उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (ठइह) जारी थे। कानूनी शिकंजे से बचने के लिए आरोपी ने अपनी पैतृक संपत्ति तक बेच दी थी और पहचान छिपाकर फरारी काट रहा था।

हिस्ट्रीशीटर पर दर्ज हैं गैंगस्टर और मुठभेड़ समेत 10 संगीन मामले

जीआरपी पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त जीतू गुप्ता थाना कोतवाली कासगंज का अ-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर हिस्ट्रीशीट संख्या 504अ है। उसके खिलाफ कासगंज के विभिन्न थानों में पुलिस मुठभेड़, जानलेवा हमला, गैंगस्टर एक्ट, बलवा, रंगदारी, शस्त्र तस्करी, चोरी और नकबजनी जैसी गंभीर धाराओं में करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं।

- एसपी रेलवे ने पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए किया 10 हजार रुपये के नकद इनाम का ऐलान

सराहनीय कार्य पर 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार

रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और एक दशक से फरार चल रहे दुर्दांत अपराधी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष कोमल कुन्तल, हेड कांस्टेबल सतीश कुमार एवं महिला कांस्टेबल स्वाति की पीठ थपथपाते हुए एसपी रेलवे आगरा ने 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। पुलिस आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजने की विधिक कार्रवाई कर रही है।

चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान', डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हाथरस। प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को सफल बनाने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने संबंधित अधिकारियों को अभियान के तहत निर्धारित दायित्वों का शासन की मंशा के अनुरूप गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से निर्वहन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से जनजीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रामाणिक रूप से आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

अजवा पेट्रोल पंप के पास संदिग्ध हालात में मिला बाइक सवार किसान का शव, हत्या की आशंका से सनसनी

टीएनएफ टुडे, गंजडुंडवारा (कासगंज)।

- सहावर-गंजडुंडवारा मार्ग पर लहूलुहान मिले 45 वर्षीय विजेंद्र चौहान, गर्दन पर जख्म देखकर बिलख उठे परिजन
- इकलौते कमाऊ बेटे की मौत से परिवार में कोहराम, दो बेटियों और बेटे के सिर से उठा पिता का साया

क्षेत्र के सहावर-गंजडुंडवारा मार्ग स्थित अजवा पेट्रोल पंप के पास सोमवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक किसान का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव राम छितेनी निवासी विजेंद्र सिंह चौहान (45) पुत्र रनवीर सिंह चौहान के रूप में हुई है। मृतक की गर्दन पर जख्म के निशान मिलने से परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, विजेंद्र सिंह चौहान सोमवार शाम करीब 6:30 बजे अपनी बाइक से गांव से गढ़का जा रहे थे। इसी दौरान सहावर-गंजडुंडवारा मार्ग पर अजवा पेट्रोल पंप से महज 100 मीटर की दूरी पर राहगीरों ने उन्हें सड़क किनारे मृत अवस्था में पड़ा देखा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे।

गर्दन पर जख्म के निशान से गहराया हत्या का शक

मृतक के चाचा बुधपाल ने बताया कि विजेंद्र चौहान अपने परिवार के इकलौते बेटे थे और खेती-किसानी करके पूरे परिवार का भरण-पोषण करते थे। उन्होंने बताया कि विजेंद्र की गर्दन पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं, जिससे हादसा नहीं बल्कि रंजिश के तहत हत्या किए जाने की प्रबल आशंका है। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

इकलौते सहारे की मौत से परिजनों में मची चीख-पुकार

विजेंद्र की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घर के इकलौते कमाऊ सदस्य का साया उठ जाने से पत्नी संजो देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं बेटियों शिवानी (21), अंशिका (19) और बेटे मुनेंद्र (18) के सिर से पिता का साया उठने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को रोंदा, एक अलीगढ़ रेफर, दूसरे का जिला अस्पताल में इलाज जारी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव बहेटे निवासी दो सगे भाई मंगलवार की सुबह सड़क हादसे का शिकार हो गए। दवा लेने शहर आ रहे भाइयों की बाइक में एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव बहेटे निवासी महेंद्र के दो पुत्र रिंकू (38 वर्ष) और रेसु (30 वर्ष) मंगलवार सुबह कासगंज स्थित गीता अस्पताल में दवा लेने के लिए आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक चोड़िया और नहर के मध्य पहुंची, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित रोडवेज बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चुटैल हो गए।

घटना के बाद राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई और परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में दोनों घायल भाइयों को इलाज के लिए जिला अस्पताल (मामो) में भर्ती कराया।

जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान रिंकू (38) की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं, छोटे भाई रेसु (30) का उपचार जिला अस्पताल में ही चल रहा है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राकृतिक खेती से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

- किसानों को रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करने के लिए किया जागरूक

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत जिला गंगा समिति, हाथरस द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, सिकंदराऊ में किसानों के लिए प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी, कृषि वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न पद्धतियों, उसके लाभों तथा रासायनिक उर्वरकों एवं अन्य रसायनों पर निर्भरता कम करने के संबंध में सरल एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जल स्रोतों के संरक्षण तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग कम करने और प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर बढ़ने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी, सिकंदराऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ, ग्राम प्रधान, जिला परियोजना अधिकारी, हाथरस तथा वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाकर स्वस्थ मिट्टी, स्वच्छ जल और सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान', डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल को सफल बनाने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने संबंधित अधिकारियों को अभियान के तहत निर्धारित दायित्वों का शासन की मंशा के अनुरूप गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से जनजीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रामाणिक रूप से आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। मा० प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में हुए नीतिगत सुधारों, जनकल्याणकारी कार्यों तथा देश और प्रदेश में आए ऐतिहासिक बदलावों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी।

इसके साथ ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के तहत युवा, महिला, किसान एवं वंचित वर्ग को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र निर्माण के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ा जाएगा।

जिलाधिकारी ने अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यक्रमों का सफल आयोजन कराया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिस उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है, उसकी सफलता तभी संभव है जब पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ सुनिश्चित कराया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं थीम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

अभियान के अंतर्गत प्रमुख कार्यक्रमों में आशीर्वाद का दिया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार, रंगोली राष्ट्र एवं घर-घर से राष्ट्र तक तथा जनसेवा महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट आदि शामिल हैं।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, समस्त उप जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दलीप ट्रॉफी फाइनल

तीसरे दिन की समाप्ति तक ईस्ट जोन की पकड़ में मुकाबला

एजेंसी, चेन्नई।

ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। पहली पारी में 708 रन बनाने के बाद इस टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 242 के स्कोर तक साउथ जोन के 6 विकेट हासिल कर लिए हैं। फिलहाल, साउथ जोन की टीम ईस्ट जोन से 466 रन पीछे है। एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रनों का विशाल स्कोर बनाया। अभिमन्यु ईश्वरन ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। वैभव 37 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 147 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन (85) के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन जोड़े, जबकि कुमार कुशाग्र (101) के साथ 230 रन की साझेदारी की।

इसके अलावा, अनुकूल रॉय (45) के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन जुटाए।

ईशान ने इस पारी में 334 गेंदों का सामना करते हुए 7 छक्कों और 30 चौकों के साथ 270 रन की पारी खेली। उनके अलावा, कौनेन कुरैशी ने 40 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से त्रिपुरण विजय ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, शेख रशीद ने 1 विकेट चटकाया।

इसके जवाब में साउथ जोन ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 80 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट खोकर 242 रन जुटाए। इस टीम ने 10 के स्कोर पर रिकी भुई (1) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने नारायण जगदीशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 70 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

जगदीशन 6 चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद पड्डिकल ने शेख रशीद के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। रशीद 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पड्डिकल ने 4 चौकों के साथ 62 रन की पारी खेली। टीम ने 129 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने मोर्चा संभालते हुए स्मरण रविचंद्रन (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन और श्रेयस गोपाल (26) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

तीसरे दिन की समाप्ति तक तिलक 133 गेंदों में 5 चौकों के साथ 56 रन बना चुके हैं, जबकि चामा मिलिंद 2 रन बनाकर नाबाद हैं। विपक्षी खेमे से मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, कौनेन कुरैशी और शिखर मोहन ने 1-1 विकेट चटकाया।

विमेंस एशिया कप : अंपायर के फैसले पर असहमति जताना पड़ा भारी

आईसीसी ने पाकिस्तानी बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

एजेंसी, इस्लामाबाद।

दुबई विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।

गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

इस नवीनतम सजा के साथ उस अवधि में उनके डिमेरिट प्वाइंट्स की संख्या 2 हो गई है। उन्हें पहला डिमेरिट प्वाइंट्स 23 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विमेंस टी20 वर्ल्ड कप लीग मैच के दौरान हुई एक घटना के लिए मिला था।

फिरोजा ने एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर रबाब अहसान और रोकेया सुल्ताना, थर्ड अंपायर शिवानी मिश्रा और फोर्थ अंपायर शथिरा जाकिर ने लगाया था।

आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक तौर पर फटकार लगाना और अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना, साथ ही एक या दो डिमेरिट प्वाइंट देना है।

आईसीसी अनुशासनात्मक प्रणाली के तहत, 24 महीनों की अवधि में चार या उससे अधिक डिमेरिट प्वाइंट्स को सस्पेंशन प्वाइंट्स में बदल दिया जाता है। दो सस्पेंशन प्वाइंट्स का मतलब 1 टेस्ट, 2 वनडे या 2 टी20 से प्रतिबंध है, जो भी खिलाड़ी के लिए पहले आए।

मनोरंजन

'हैवान' में विलेन बनेंगे अक्षय कुमार, इन फिल्मों में नेगेटिव रोल से भी बटोर चुके हैं सुर्खियां

भारतीय सिनेमा में एक ऐसा दौर भी था, जब अभिनेता को उनके किरदारों के साथ बांध दिया जाता था, लेकिन अब समय बदल रहा है और अभिनेता हर जॉनर में अपने हाथ फैला रहे हैं। इसी कड़ी में अक्षय कुमार क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। ऐसा पहली बार नहीं है जब वे खलनायक की भूमिका अदा करते नजर आएंगे। इससे पहले भी वह कुछ फिल्मों में विलेन के रोल से फैंस को चौंका चुके हैं। अक्षय कुमार ने अपने लंबे फिल्मी करियर में मुख्य रूप से एक एक्शन और कॉमिक हीरो के रूप में पहचान बनाई है, लेकिन उन्होंने कई फिल्मों में खतरनाक खलनायक (विलेन) या नेगेटिव किरदार भी निभाए हैं। अफलातून (1997): एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अभिनेता ने दोहरी भूमिका यानी राजा और रॉकी का किरदार निभाया था। राजा, एक छोटा-मोटा चोर होता है, जो पैसों के लिए तरह-तरह के जुगाड़ करता रहता है। वह पूजा (उर्मिला मातोंडकर) से प्यार करने लगता है और उसके पिता का दिल जीतने की कोशिश करता है, जबकि रॉकी एक खतरनाक और बेरहम कातिल होता है, जो शक्ल से बिल्कुल राजा जैसा दिखता है। रॉकी राजा को ब्लैकमेल करता है और उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

खिलाड़ी 420 (2000): एक्शन-थ्रिलर फिल्म में अक्षय कुमार ने एक बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण डबल रोल निभाया था। इस फिल्म में उनके दो किरदारों के नाम देव कुमार मल्होत्रा और आनंद कुमार मल्होत्रा थे। देव एक शातिर, धोखेबाज और कर्ज में डूबा हुआ ठग (कॉन्मैन) होता है। वह बाहर से एक सफल और सभ्य बिजनेसमैन दिखने का नाटक करता है और अमीर बिजनेसमैन श्याम प्रसाद भारद्वाज की इकलौती बेटी रितु (महिमा चौधरी) को अपने प्यार के जाल में फंसा लेता है। उससे शादी कर लेता है और बाद में रितु के पिता को मारकर उसकी संपत्ति को हथियाने की कोशिश करता है, जब रितु को इसका पता चलता है, तो वह आत्मरक्षा में देव की हत्या कर देती है, जब आनंद को अपने भाई देव के काले कारनामों और रितु की बेगुनाही का पता चलता है, तो वह रितु की मदद करने का फैसला करता है।

अजनबी (2001): सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में अक्षय कुमार ने 'विक्रम बजाज' (विक्की) नाम का एक बेहद चालाक और नकारात्मक किरदार निभाया था। इस दमदार अभिनय के लिए अक्षय कुमार को उनके करियर का पहला फिल्मफेयर बेस्ट विलेन अवॉर्ड भी मिला था।

वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई दोबारा (2013): इस फिल्म में अभिनेता ने शोएब खान नाम के अंडरवर्ल्ड डॉन का किरदार निभाया था। यह फिल्म साल 2010 की फिल्म 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' का सीक्वल है, जिसमें शोएब का युवा किरदार पहले इमरान हाशमी ने निभाया था।

इस सीक्वल में वह अपने मेंटर (गुरु) सुल्तान मिर्जा की हत्या करके मुंबई का सर्वेसर्वा और सबसे शक्तिशाली डॉन बन चुका है। शोएब खान के रूप में अक्षय कुमार के किरदार का प्रभाव मिला-जुला और थोड़ा कमजोर रहा था।

2.0 (2018): इसमें अक्षय कुमार ने पक्षीराजन (डॉ. रिचर्ड / पक्षी राजन) नाम के एक वैज्ञानिक और विलेन का किरदार निभाया था। पक्षीराजन एक प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिप्रेमी थे, जिनका जीवन पक्षियों की रक्षा और उनकी देखरेख के लिए समर्पित था। फिल्म में उनका यह किरदार असल जिंदगी के मशहूर 'बर्डमैन ऑफ इंडिया' सलीम अली से प्रेरित था। इस खतरनाक और अनोखे लुक को पाने के लिए अक्षय कुमार को रोजाना 4 से 6 घंटे तक प्रोस्थेटिक मेकअप करवाना पड़ता था।

लेग वॉर्मर्स, अजीब हेयरस्टाइल और तेज आवाज में बजता रेडियो, लिसा रे को याद आया 80 का दशक

अभिनेत्री लिसा रे ने 1980 के दशक की अपनी यादों को ताजा करते हुए उस दौर के संगीत, फैशन और बेफिक्र जिंदगी से जुड़े कई किस्से साझा किए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि 80 का दशक उनके लिए सिर्फ फैशन और संगीत का दौर नहीं था, बल्कि उनकी जिंदगी का वह हिस्सा था, जिसमें गर्मियों की छुट्टियां, दोस्तों के साथ साइकिल चलाना, रेडियो पर तेज आवाज में गाने सुनना और थोड़ी-सी बगावत सब कुछ शामिल था।

लिसा ने इंस्टाग्रम पर अपनी एक तस्वीर साझा की है, उसमें वह ब्लैक कलर की आउटफिट में नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनके घुंघराले बाल खुले हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका पूरा लुक 80 के दशक की याद दिलाता है। तस्वीर के साथ लिसा ने कैप्शन में लिखा, "मैं सच में 80 के दशक के उस दौर से गुजरी हूं। उस समय के फैशन के मुताबिक, मैंने कैंडी कलर के लेग वॉर्मर्स, अजीबोगरीब हेयरस्टाइल और फिल्म 'फ्लैशडांस' से प्रभावित स्वेटशर्ट स्टाइल किया है।" लिसा ने उस दौर के संगीत को भी अपनी यादों का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने आगे लिखा, "मैडोना, माइकल जैक्सन और माइकल हचेंस... ये कलाकार मेरी जवानी की यादों से जुड़े हुए हैं। मैं ड्यूरन की इतनी बड़ी फैन थीं कि मैंने अपने पालतू जानवरों के नाम तक इस म्यूजिकल ग्रुप से प्रभावित होकर रखे थे।"

लिसा ने अपने बचपन और जवानी के दिनों से जुड़ी जगहों को भी याद किया। उन्होंने लिखा, "कलकत्ता की गर्मियों और टोरंटो में लंबे वीकेंड के दौरान मैं अपने आसपास के इलाकों में साइकिल चलाया करती थीं। मुझे लॉन्ग ड्राइव और रेडियो पर तेज आवाज में संगीत सुनना पसंद था। उस समय की जिंदगी में एक अलग तरह की मिठास थी। मैं बेफिक्र थी, लेकिन मेरे अंदर कुछ नया करने और अपनी सीमाओं को तोड़ने की बेचैनी भी थी।" अपने उस पुराने रूप को याद करते हुए लिसा ने खुद से सवाल किया, "क्या मैं सच में 80 के दशक की बच्ची थीं? मजबूत, अपने फैसले खुद लेने वाली और मुश्किलों का सामना करने वाली... समय के साथ जिंदगी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। जिंदगी में आए अचानक बदलावों और ऐसे मोड़ों, जिन्हें मैंने खुद नहीं चुना, ने उनके व्यक्तित्व को और गहरा किया है।" लिसा के आखिर में लिखा, "मेरे आज के वर्जन को अपने पुराने 80 के दशक वाले दौर की एक बार फिर जरूरत महसूस होती है। शायद मुझे फिर से उस दौर को जीने की जरूरत है।"

शीना चौहान ने जीवंत किया शकुंतला का किरदार, बोलीं-मिथक के पीछे छिपी महिला को जानना चाहती थी

अभिनेत्री शीना चौहान ने हाल ही में भारतीय पौराणिक कथाओं और राजा रवि वर्मा की प्रसिद्ध पेंटिंग्स से प्रेरित होकर एक विशेष फोटोशूट कराया है, जिसके जरिए उन्होंने शकुंतला के चरित्र को जीवंत कर इस विरासत को याद किया। अभिनेत्री ने बताया कि शकुंतला के बदलाव ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया है।

अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा, ''शकुंतला में मुझे सिर्फ उनकी खूबसूरती या प्रेम कहानी ने ही नहीं बल्कि बदलावों ने भी अपनी ओर आकर्षित किया है। वह एक सीधी-सादी, मासूम महिला के रूप में शुरू होती हैं, फिर भी उनके सफर में इतनी खूबसूरती, भावनाएं और मजबूती है। असल में मैं मिथक के पीछे छिपी महिला को जानना चाहती थी और सोचना चाहती थी कि अगर शकुंतला हमारे समय की महिला होती तो वह कैसा महसूस करती।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे कहानियों, कला और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली महिलाओं के बारे में जानना बहुत पसंद है। मैं खास तौर पर पौराणिक भारतीय कहानियों और किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं क्योंकि उनमें बहुत सारा इतिहास, भावना, सुंदरता और आज के समय से जुड़ाव होता है। शकुंतला के जरिए मैं उस विरासत को सम्मान देना चाहती थी और साथ ही उसे एक नई आवाज देना चाहती थी। उनकी दुनिया भले ही किसी और दौर की हो लेकिन वह जिन भावनाओं को दशार्ती हैं, वो आज भी हमारी ही हैं।'' राजा रवि वर्मा की दुनिया से प्रेरणा लेते हुए शीना चौहान के इस फोटोशूट में शकुंतला की सदाबहार खूबसूरती को दिखाया गया है, बिना उनकी मशहूर पेंटिंग की हूबहू नकल किए। खूबसूरत और पुरानी विरासत से प्रेरित बैकग्राउंड जिसमें मेहराब, पानी और प्राकृतिक चीजें हैं, ये तस्वीरें एक पुराने दौर का एहसास कराती हैं, जैसे एक्ट्रेस सीधे किसी क्लासिक भारतीय कलाकृति से बाहर निकलकर आई हों।

तस्वीरों में शीना एक सफेद साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें हल्का गुलाबी और सुनहरा बॉर्डर है। उनके खुले बाल, हल्का पारंपरिक मेकअप, काजल लगी आंखें और छोटी सी बिंदी के साथ फूलों की नाजुक बालियां और सफेद फूलों की मालाएं बहुत जच रही हैं। हाथों में कमल का फूल लिए और पानी के किनारे नंगे पैर खड़ी होकर वह मासूमियत, नारीत्व और शांति का एहसास करा रही हैं।

यह फोटोशूट हम्पी के 'इवोल्व बैक' में किया गया है, जिसके फोटोग्राफर प्रसाद एच.एम. हैं, एडिटिंग वैभव वेणु गोपाल वेरनेकर ने की है और स्टाइलिंग वीना शंकर ने की है।

बादशाह से तलाक पर ईशा रिखी ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- किसी का नाम जपने नहीं, अपनी पहचान बनाने आई हूं

रैपर बादशाह संग रिश्ते और तलाक की खबरों के बीच अब ईशा रिखी बिग बॉस के घर पहुंच चुकी हैं। शो में जाने से पहले उन्होंने साफ कर दिया कि वह अपने अतीत को लेकर कितना बोलेंगी और किसकी कहानी का हिस्सा नहीं बनना चाहेंगी।

मैं यहां सिर्फ अपनी बात करने आई हूं

अपनी शादी पर बात करते हुए ईशा ने कहा, 'अपनी पर्सनल लाइफ पर बात करना पूरी तरह सिचुएशन पर निर्भर करता है। मुझे अपने बचपन के दिनों से लेकर अब तक के अपने सफर पर बात करने में कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन लोग मुझसे क्या खंगालना चाहते हैं या क्या मसाला ढूंढ रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि मैं उन बातों पर अपनी जुबान खोलने के लिए तैयार हूं। मैं यहां सिर्फ अपने बारे में बात करने आई हूं, किसी और की कहानी का हिस्सा बनने या किसी और का नाम जपने नहीं आई हूं।'

पर्सनल लाइफ नहीं है कारण

तलाक की वजह से शो में हिस्सा लेने पर ईशा ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। मैंने यह शो किसी विवाद या अपनी पर्सनल लाइफ के ड्रामे की वजह से नहीं चुना है।'

लोग मुझे पूरी तरह से नहीं जानते

'बिग बॉस 20' में जाने के उद्देश्य के बारे में ईशा ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी असल में कौन है, किसी और की पहचान या टैग के साथ नहीं। मुझे लगता है कि लोग अभी मुझे पूरी तरह से नहीं जानते। मैं दर्शकों को अपने सभी रंग, अपने इमोशन्स और अपना असली रूप दिखाना चाहती हूं, इसीलिए मैंने बिग बॉस के लिए हां कहा।'

जो उंगली उठाएगा, उसे भुगतना पड़ेगा

शो के अंदर गेम खेलने के बारे में ईशा ने कहा, मेरा कोई फेक गेम प्लान नहीं है। लेकिन एक बात साफ कर दूं - कोई भी मुझ पर हावी होने की गलती न करे .. जो जैसा व्यवहार मेरे साथ करेगा, उसे वैसा ही करारा जवाब मिलेगा। मैं अपनी गरिमा में रहकर खेलूंगी, लेकिन जो उंगली उठाएगा, उसे भुगतना पड़ेगा।